शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 13 | अंक : 52 | गुवाहाटी | बुधवार, 23 सितंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कांग्रेस ने की असम में नेताओं पर हमले की स्वतंत्र जांच की मांग पेज 2
नगांव उपचुनाव : असम भाजपा का कांग्रेस पर वंशवाद और हिंसा को लेकर हमला पेज 3
हरियाणा एटीएस ने अंतर्राष्ट्रीय नार्को टेरर में सात को किया गिरफ्तार पेज 5
एशियाई खेल : भारत ने श्रीलंका को 147 रन से हराकर जीता स्वर्ण पदक पेज 7

गृह मंत्री का संकल्प : एक ग्राम ड्रग भी दुनिया से हमारे देश में नहीं आने देंगे, न ही यहां से दुनिया में जाएगा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि हमारा साझा दायित्व और संकल्प होना चाहिए कि आने वाली पीढ़ियों को खोखला करने वाली नशे की इस समस्या को हम समाप्त कर दें। हमारा संकल्प हो कि न एक ग्राम ड्रग हम दुनिया से देश में आने देंगे और न ही एक भी ग्राम ड्रग हमारे देश से दुनिया में जाएगी। दुनियभर के युवाओं के कल्याण का संकल्प लेकर हमने यह रोड मैप बनाया है। हमें संवेदना के साथ और इसके महत्व को समझकर टॉप मोस्ट प्रायोरिटी पर नशा मुक्त भारत के लिए काम करना होगा। केंद्रीय गृह अमित शाह ने मंगलवार को नई दिल्ली में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) प्रमुखों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर गृह मंत्री ने मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता फैलाने वाले टेलीविजन कमर्शियल का लॉन्च किया। लखनऊ एवं देहरादून में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के नए जोनल कॉम्प्लेक्स की आधारशिला रखी। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एएनटीएफ को सम्मानित भी किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री ने नए स्वरूप में तैयार एनसीबी की वेबसाइट का शुभारंभ भी किया। एनसीबी द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के एएनटीएफ प्रमुखों के साथ-साथ संबंधित सरकारी विभागों और अन्य हितधारकों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। शाह ने कहा कि देश और दुनिया के लिए सबसे गंभीर खतरा बन चुके नारकोटिक्स पर कड़ा और निर्णायक प्रहार करने और सामूहिक प्रयासों से विजय प्राप्त करने का समय आ गया है। 31 दिसंबर, 2029 तक हम भारत से नशे के व्यापार को जड़ से उखाड़कर फेंकने में सामूहिक रूप से सफल होंगे। विगत 5 साल में कश्मीर में आतंकवाद, नॉर्थईस्ट में उग्रवाद और नक्सलवाद की समस्या जैसी कई चुनौतियों के खिलाफ केंद्र सरकार ने सफलता हासिल की है। नशे के -शेष पृष्ठ दो पर

नगांव उपचुनाव

अल्पसंख्यक समुदाय और अधिक भाजपा को करेगा समर्थन : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि राज्य में अल्पसंख्यक समुदाय के लोग पहले से ही भाजपा का समर्थन करते रहे हैं और हाल के विधानसभा चुनाव में भी बड़ी संख्या में अल्पसंख्यकों ने भाजपा का समर्थन किया था। नगांव विधानसभा उपचुनाव के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार अल्पसंख्यक समुदाय से भाजपा को और अधिक समर्थन मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान भी अल्पसंख्यक मतदाताओं के एक हिस्से ने भाजपा के पक्ष में मतदान किया था। सामागुड़ी में चुनावी हिंसा के मुद्दे पर प्रतिक्रिया व्यक्त हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस क्षेत्र में लंबे समय से चुनावी हिंसा करती रही है। उन्होंने दावा किया कि वह स्वयं भी रकीबुल हुसैन से जुड़े चुनावी हिंसा के मामले में पीड़ित रहे हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

असम में भाजपा को झटका, गायक सिमांत शेखर ने छोड़ी पार्टी

गुवाहाटी। असमिया गायक और भाजपा नेता सिमांत शेखर ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी और असम स्टेट फिल्म फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया और स्पष्ट किया कि भविष्य में किसी अन्य राजनीतिक दल में शामिल नहीं होंगे। यह असम भाजपा के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। सिमांत शेखर ने भाजपा की असम प्रदेश कार्यकारिणी और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, असम सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर फिलहाल सिमांत शेखर का नाम चेयरमैन के तौर पर दर्ज है। जानकारी के मुताबिक, सिमांत शेखर ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और प्रदेश -शेष पृष्ठ दो पर

2030 तक छह हजार मेगावाट हरित ऊर्जा क्षमता हासिल करेगा राज्य : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि राज्य के भावी आर्थिक विकास में स्वच्छ ऊर्जा को प्रमुख भूमिका देने की महत्वाकांक्षी योजना के तहत 2030 तक 6,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य रखा गया है। शर्मा ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हरित ऊर्जा असम की *अगली विकास गाथा* का आधार होगी, और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करते हुए नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने पर राज्य सरकार के फोकस को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम के आगामी विकास की नींव हरित ऊर्जा पर टिकी होगी। 2030 तक 6,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य निर्धारित करके हम स्वच्छ और ऊर्जा के मामले में अधिक सुरक्षित असम की नींव रख रहे हैं। यह लक्ष्य ऐसे समय में महत्वपूर्ण हो जाता है जब असम औद्योगिक विस्तार, अवसंरचना विकास और शहरीकरण से जुड़ी बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने का प्रयास कर रहा है। नवीकरणीय ऊर्जा की -शेष पृष्ठ दो पर

पुलिस कस्टडी से भाग रहा ड्रग्स माफिया मुठभेड़ में घायल

शिवसागर (हि.स.)। ड्रग्स माफिया के खिलाफ कार्रवाई के दौरान शिवसागर पुलिस की गोली से आरोपित रुबुल खान घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, रुबुल खान को दाहिने पैर में गोली लगी है। उसे उपचार के लिए शिवसागर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, रुबुल खान कथित ड्रग्स कारोबारी विकी सिंह का सहयोगी बताया जा रहा है। बीते 18 सितंबर को विमान बरुवा नामक व्यक्ति की धारदार हथियार से हत्या किए जाने के मामले में विकी सिंह पर आरोप है। पुलिस के मुताबिक, हत्या के दौरान रुबुल खान भी उसके साथ मौजूद था। इससे पहले 19 सितंबर को बिहुबर पुलिस की -शेष पृष्ठ दो पर

sfi
SUMAN
FIBRE & INTERIOR
Siddiqui Ali Commercial Complex, S.J. Road, Athgaon
Guwahati-781001
+91-98648-02947

एक बार फिर भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ता आमने-सामने, तनाव

गुवाहाटी। असम के मोरीगांव जिले में मंगलवार को उस समय तनाव व्याप्त हो गया जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। आरोप है कि भाजपा कार्यकर्ताओं के एक समूह ने गोरोइमारी में कांग्रेस विधायक आसिफ नजर के वाहन को रोककर उनके खिलाफ नारे लगाए। खबरों के मुताबिक, भाजपा कार्यकर्ताओं ने आसिफ नजर की गाड़ी रोक दी और *वापस जाओ आसिफ नजर* के नारे लगाए, जिसके बाद दोनों राजनीतिक दलों के समर्थकों के बीच झड़प हो गई। बताया जाता है कि दोनों पक्षों के पार्टी कार्यकर्ता मौके पर एक-दूसरे से भिड़ गए, जिससे स्थिति कुछ देर के लिए और बिगड़ गई। इस घटना के बाद मोरीगांव के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक निशांत सौरभ ने हस्तक्षेप किया और मौके पर पहुंचकर कांग्रेस विधायक को वहां से सुरक्षित बाहर निकालने में मदद की। बाद में स्थिति नियंत्रण में आ गई। इलाके में कानून व्यवस्था बनाए रखने और स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए पुलिस अधिकारियों को तैनात -शेष पृष्ठ दो पर

विश्व गैंडा दिवस पर पीएम मोदी ने *प्रोजेक्ट राइनो* शुरू किए जाने की जानकारी दी

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को विश्व गैंडा दिवस के अवसर पर एक सींग वाले गैंडे के संरक्षण में जुटे लोगों की सराहना की और कहा कि देश में प्रजाति संरक्षण को आगे बढ़ाने के लिए *प्रोजेक्ट राइनो* शुरू किया गया है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा कि इस पहल के तहत गैंडा बहुल राज्यों को गैंडों के संरक्षण, आवास प्रबंधन, आनुवंशिक सुधार और आबादी की गतिशीलता को समझने के लिए वित्तीय एवं तकनीकी सहायता दी जाएगी। मोदी ने कहा कि दुनिया के गैंडों की आबादी का करीब 80 प्रतिशत हिस्सा अब असम में है। उन्होंने गैंडों के अवैध शिकार को रोकने के लिए काजीरंगा के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि बिहार और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में गैंडे या तो वापस लौटे हैं या अच्छी तरह संरक्षित हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश के दुधवा में -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने संरक्षण के प्रति दोहराई प्रतिबद्धता

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय गैंडा दिवस के अवसर पर राज्य के एक सींग वाले गैंडे के संरक्षण और सुरक्षा के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने गैंडे को असम के गौरव और प्राकृतिक विरासत का प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उनकी सरकार के कार्यकाल में असम में गैंडों के अवैध शिकार पर -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
पूर्वाग्रह से ग्रसित दंड देना लोक निंदा का कारण बनता है।
- आचार्य चाणक्य

सोनिया गांधी के वोटर लिस्ट मामले पर भाजपा ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के 1980 में भारतीय नागरिकता ग्रहण करने से पहले ही देश के आम चुनावों में मतदान करने का मामला उठाते हुए इसकी न्यायिक जांच कराने की आज मांग की। भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह-संयोजक प्रदीप भंडारी ने यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में सोनिया गांधी से जुड़ी मतदाता सूची मामले को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान के अनुसार मतदान करने के लिए व्यक्ति का भारतीय नागरिक होना जरूरी है। भंडारी के मुताबिक, वर्ष 1980 में सोनिया गांधी भारतीय नागरिक नहीं थीं, इसके -शेष पृष्ठ दो पर

विकसित भारत 2047 का रोड मैप तैयार आज से दो दिवसीय चिंतन शिविर शुरू

नई दिल्ली। पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक अस्थिरता और चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। इसे महसूस करते हुए सरकार अब 2047 के विकसित भारत के लिए अपने रोड मैप को नया आयाम देने की तैयारी में है। इसी क्रम में बुधवार और गुरुवार को मंत्रिपरिषद की दो दिवसीय चिंतन बैठक होगी। माना जा रहा है कि इसमें आठ से दस प्रजेंटेशन होंगे और सभी मंत्रालयों को निर्देश दिए जाएंगे उसके क्रियान्वयन में तेजी लाएं। विकास की दिशा ऐसी रखी जाएगी जो स्थायी और तात्कालिक तौर पर उसका लाभ भी दिखे। वर्तमान में सरकार के सामने दो तरह की चुनौतियां हैं। पहली चुनौती वैश्विक है जिसके कारण सप्लाई चेन, मैन्यूफैक्चरिंग, आयात निर्यात और आत्मनिर्भरता के सवाल हैं। तो घरेलू स्तर पर रोजगार जैसा सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक मुद्दा है। सूत्रों के अनुसार इस चिंतन शिविर में इन सभी विषयों के मद्देनजर चर्चा होगी। पुरानी योजनाओं के असर की समीक्षा भी होगी और -शेष पृष्ठ दो पर

यूपीआई पेमेंट पर ग्राहकों को नहीं देना होगा एमडीआर : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। यूपीआई से भुगतान करने वाले लोगों के लिए फिलहाल राहत की बात है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साफ किया है कि 2,000 रुपए से अधिक के कुछ व्यापारी लेन-देन पर लागू होने वाला मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर ग्राहकों से नहीं वसूला जाएगा। उन्होंने कहा कि यह शुल्क भुगतान व्यवस्था से जुड़े सेवा प्रदाताओं के बीच होगा और इसका बोझ यूपीआई इस्तेमाल करने वाले लोगों पर नहीं डाला जाएगा। निर्मला सीतारमण ने बातचीत में कहा कि वह संसद में भी इस मुद्दे पर पहले ही स्थिति साफ कर चुकी हैं। उनके मुताबिक एमडीआर न तो कर है और -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

यूसुफ पठान बने एनसीपीआई के उपाध्यक्ष

नई दिल्ली। टीएमसी से अलग हुए सांसदों द्वारा बनाई गई *नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया* (एनसीपीआई) ने नए राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नियुक्ति की है। ज्योतिप्रकाश चटर्जी को अध्यक्ष चुना गया है, वहीं यूसुफ पठान को उपाध्यक्ष बनाया गया है। यूसुफ पठान के साथ अबू ताहिर -शेष पृष्ठ दो पर

नहीं रहीं रानी मुखर्जी की मां कृष्णा मुखर्जी

मुंबई (हि.स.)। बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी की मां कृष्णा मुखर्जी का मंगलवार दोपहर 75 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन की खबर सामने आते ही मुखर्जी परिवार और फिल्म जगत में शोक की लहर दौड़ गई। यशराज फिल्म्स की ओर से जारी आधिकारिक बयान में परिवार ने इस दुखद खबर की पुष्टि की है। परिवार ने इस कठिन समय में प्रशंसकों और शुभचिंतकों से निजता का सम्मान करने की -शेष पृष्ठ दो पर

पीटीआई के मार्च से डरी सरकार छावनी में बदल रहा है इस्लामाबाद

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की 27 सितंबर को इस्लामाबाद में विरोध प्रदर्शन की घोषणा से संघीय सरकार के हाथ-पांव फूल गए हैं। संघीय राजधानी को अभेद्य दुर्ग में बदला जा रहा है। संघीय सरकार ने स्थानीय अधिकारियों की मदद के लिए सिंध और पंजाब से हजारों अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को इस्लामाबाद में तैनात करने का निर्णय लिया है। पीटीआई ने जेल में बंद संस्थापक इमरान खान की रिहाई की मांग की है। द न्यूज की रिपोर्ट में पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सिंध से लगभग 1,950 पुलिस अधिकारी और कर्मी मंगलवार रात तक इस्लामाबाद पहुंच सकते हैं। पंजाब भी 19,000 पुलिसकर्मी और अधिकारी उपलब्ध कराएगा और यह दल अगले दो दिनों में राजधानी पहुंच सकता है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि संघीय सरकार ने 23,000 पुलिसकर्मियों और अधिकारियों के लिए पंजाब से मदद मांगी थी। सूत्रों ने यह भी कहा कि सिंध, पंजाब और फ्रंटियर कॉर्प्स के कर्मियों के ठहरने की व्यवस्था भी पूरी कर ली गई है। इस्लामाबाद -शेष पृष्ठ दो पर

कीनिया में पेट्रोलियम उत्पादों का सबसे बड़ा सप्लायर बना भारत

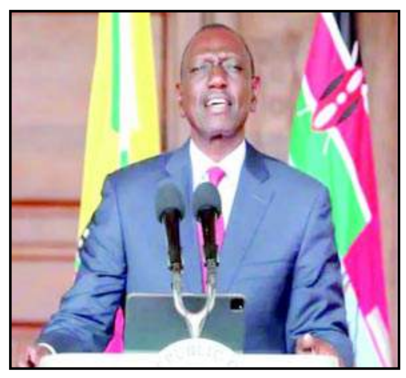

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में होर्मुज संकट और खाड़ी क्षेत्र की रिफाइनिंग क्षमता पर दबाव के बीच भारत की कच्चे तेल आपूर्ति को लेकर चिंता बनी हुई है, लेकिन यही संकट भारतीय रिफाइनरों के लिए पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात का नया दरवाजा खोल रहा है। खाड़ी देशों की रिफाइनरियों में उत्पादन प्रभावित होने और पारंपरिक निर्यात मार्गों के बाधित होने के बाद कई देशों ने पेट्रोल और डीजल की खरीद भारत से शुरू कर दी है। अप्रैल-अगस्त 2026 में भारत के पेट्रोलियम उत्पाद निर्यात में सालाना आधार पर करीब 46 फीसद की तेजी आई है। पिछले एक हफ्ते में सऊदी अरब और रूस के प्रमुख रिफाइनरियों पर हमले के बाद भारत से पेट्रोल, डीजल व दूसरे उत्पादों का निर्यात और बढ़ने के आसार हैं। ताजे आंकड़ों के मुताबिक, कीनिया में भारत यूएई और सऊदी अरब को पीछे छोड़कर पेट्रोलियम उत्पादों का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है। मोजाम्बिक व अन्य पूर्वी अफ्रीकी देशों में भारतीय पेट्रोल-डीजल की मांग तेजी से बढ़ी है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक अफ्रीका का तकरीबन हर देश आज भारत से डीजल खरीदना चाहता है। भारत व तुर्किये के बीच -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

कांग्रेस ने की असम में नेताओं पर हमले की स्वतंत्र जांच की मांग

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने असम के नगांव जिले में पार्टी नेताओं पर हुए हमले की निंदा करते हुए निर्वाचन आयोग से घटना की स्वतंत्र जांच कराने और कर्तव्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को निलंबित करने की मांग की है। पार्टी ने हमले में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा जांच के निष्कर्षों को सार्वजनिक करने की भी मांग की है। कांग्रेस महासचिव डॉ. नसीर हुसैन ने सोमवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि नगांव में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस नेताओं पर नकाबपोश लोगों ने हमला किया। उन्होंने इसे विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने का प्रयास बताते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं का उद्देश्य चुनाव के दौरान भय का माहौल पैदा करना और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करना है। उन्होंने कहा कि हमले में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई समेत कई नेता शामिल थे। डॉ. हुसैन ने दावा किया कि हमलावरों के हाथों में काले झंडे थे और वे लोहे की छड़ों तथा अन्य हथियारों से लैस थे। उन्होंने कहा कि असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन को पहले ही संभावित खतरे की जानकारी दे दी थी, लेकिन इसके बावजूद हिंसा रोकने के लिए पर्याप्त एहतियाती कदम नहीं उठाए गए। उन्होंने कर्तव्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस महासचिव ने निर्वाचन आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं पर हमले के बावजूद आयोग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने निर्वाचन आयोग से विपक्षी दलों के साथ भेदभाव नहीं करने और घटना की स्वतंत्र जांच के आदेश देने की मांग की। डॉ. हुसैन ने दावा किया कि हमले के दौरान दो पत्रकारों के साथ भी कथित तौर पर मारपीट की गई। इसके विरोध में पत्रकारों ने धरना दिया, जिसे पुलिस की ओर से पत्रकारों से माफी मांगने के बाद समाप्त किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं और नकाबपोश लोगों के जरिए हिंसा एवं भय का माहौल बनाने का प्रयास किया जाता रहा है। जब वर्तमान सरकार को चुनाव में कमजोर स्थिति महसूस होती है और उसे हार की आशंका होती है तो वह कथित तौर पर हिंसा और भय का सहारा लेती है। इसका उद्देश्य विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं और मतदाताओं में डर पैदा करना तथा उन्हें चुनावी प्रक्रिया से दूर रखना है। डॉ. हुसैन ने केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग के बीच कथित मिलीभगत का भी आरोप लगाया। उन्होंने शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के चुनाव चिह्नों से जुड़े विवादों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी दलों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के एक उम्मीदवार की गिरफ्तारी का भी उल्लेख किया और दावा किया कि उस पर पुराने मामले में कार्रवाई की गई।

यूक्रेन संकट का शांतिपूर्ण समाधान संवाद व कूटनीति से संभव : भारत

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने मंगलवार को कहा कि यूक्रेन संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान संवाद और कूटनीति के जरिए ही संभव है तथा वह इस दिशा में योगदान देने के लिए तैयार है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत संघर्ष के दोनों पक्षों- यूक्रेन और रूस-के संपर्क में है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्री एस. जयशंकर और यूक्रेन के विदेश मंत्री के बीच हुई मुलाकात के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि दोनों नेताओं ने संघर्ष से जुड़े हालिया घटनाक्रम पर चर्चा की। जायसवाल ने कहा कि विदेश मंत्री ने एक बार फिर भारत का यह रुख स्पष्ट किया कि शांतिपूर्ण समाधान के लिए संवाद और कूटनीति ही आगे बढ़ने का रास्ता है। उन्होंने कहा कि भारत रूस और यूक्रेन दोनों के संपर्क में है और दोनों पक्षों से यह भी कहा गया है कि यदि भारत किसी तरह योगदान दे सकता है तो वह इसके लिए तैयार है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बिश्केक में हुई मुलाकात का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने उस दौरान कहा था कि अंतहीन युद्धों को अब युद्ध की समाप्ति की ओर बढ़ना चाहिए। जायसवाल ने कहा कि भारत को उम्मीद है कि यूक्रेन संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान जल्द से जल्द संवाद और कूटनीति के माध्यम से निकलेगा।

फकीराग्राम पुलिस ने तीन पशु चोरों को किया गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले में पशु चोरी की घटनाओं के बीच फकीराग्राम पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आज दोपहर के समय तीन पशु चोरों को गिरफ्तार किया है। फकीराग्राम थाना प्रभारी अर्जुन चंद्र दास के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चोरी की गई गाय को वाहन में ले जाने की सूचना मिलने के बाद आरोपियों का पीछा किया। इसी दौरान फकीराग्राम के कोराईतोला नाथपारा क्षेत्र में स्थानीय लोगों ने तीनों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रतापखाता पार्ट-1 निवासी प्रबीन चक्रवर्ती (20), पिता प्रितोष चक्रवर्ती एवं हातासारा निवासी हिमांशु बर्मन (21), पिता बीरेन बर्मन तथा जुबीन बर्मन (20), पिता शंकर बर्मन के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक गाय, दो वॉकी-टॉकी और एक बोलेरो वाहन (एएस-16जी-0830) बरामद किया है। फकीराग्राम पुलिस ने तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है।

जमुई की घटना के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिया धरना

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज प्रखंड कांग्रेस कमेटी की ओर से जमुई में 19 सितंबर की शाम हुई घटना के विरोध में मंगलवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने घटना की निंदा करते हुए दोषियों पर तुरंत और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। साथ ही पीड़ित परिवार को सुरक्षा और न्याय देने की मांग प्रशासन से की गई। धरना को संबोधित करते हुए प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष गुलाब चंद ऋषिदेव ने कहा कि सरकार कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे करती है। लेकिन, ऐसी घटनाएं जमीनी हकीकत पर सवाल उठाती हैं। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने और पीड़ित परिवार को सुरक्षा व न्याय दिलाने की मांग की। धरना-प्रदर्शन में सेवादल प्रखंड अध्यक्ष साकिब राजा, पंचायत अध्यक्ष जफिल, मंडल अध्यक्ष सदाब अंसारी, प्रखंड सचिव दिलनवाज, मो. बरकत अली, असलम शेफ, जाकिर हुसैन, मितन ऋषिदेव, गयान्द ऋषिदेव, डोमि ऋषिदेव, नसीम, साहिद आलम, दिलसाद, पप्पू शर्मा, जितेन्द्र मंडल, बासो मंडल, प्रदीप दास, चंदेसवर मंडल, जाबुल मस्तान और दुर्गा ठाकुर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत अलीपुरद्वार मंडल में विशेष स्वच्छता अभियान

कोकराझाड़ (हिंस)। *स्वच्छता ही सेवा-2026* अभियान के तहत पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के अलीपुरद्वार मंडल में आज व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वच्छ रेलवे, हरित रेलवे-हमारी साझा जिम्मेदारी के संदेश के साथ मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों, रेलवे कॉलोनियों, कार्यालयों एवं प्रतिष्ठानों के आसपास स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इस अभियान के तहत अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ युवाओं, स्वयंसेवकों तथा आम लोगों को भी स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य रेलवे परिसरों में स्वच्छता एवं साफ-सफाई के स्तर में सुधार करने के साथ यात्रियों और स्थानीय समुदाय के लिए स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुखद वातावरण तैयार करना है। उल्लेखनीय है कि *स्वच्छता ही सेवा-2026* अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर को स्वच्छ एवं हरित भारत के संकल्प के साथ शपथ ग्रहण समारोह के माध्यम से किया गया था। इसके बाद मंडल में नियमित रूप से विभिन्न स्वच्छता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अलीपुरद्वार मंडल के मंडल रेल प्रबंधक देवेंद्र सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक एस कामेई, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता मानस चक्रवर्ती सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी प्रतिदिन सुबह 8 बजे से आयोजित *श्रमदान* गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। रेलवे प्रशासन ने स्वच्छता को सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए अधिकारियों, कर्मचारियों, यात्रियों और आम नागरिकों से स्वच्छता अभियानों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया है।

पृष्ठ एक का शेष

अल्पसंख्यक समुदाय और...

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि रकीबुल हुसैन के राजनीतिक प्रभुत्व के दौरान सामागुड़ी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा अपने ही दल के कार्यकर्ताओं पर हमले की घटनाएं पहले से होती रही हैं। उन्होंने सामागुड़ी में हाल में सामने आए चुनावी हिंसा के मामलों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ये बातें कहीं।

गृह मंत्री का संकल्प : एक...

खिलाफ यह लड़ाई सभी लड़ाइयों में से सबसे कठिन है, लेकिन हम इस लड़ाई को छोड़ नहीं सकते। इस समस्या के खिलाफ हम सभी को एकजुट होकर जुनून के साथ लड़ना होगा और विजय प्राप्त करनी होगी। विजन डॉक्यूमेंट 2026-2029 इस लड़ाई में शामिल सभी लोगों के लिए गीता के समान है। यह विजन डॉक्यूमेंट 35 से ज्यादा विभागों के साथ चर्चा के बाद बहुत मेहनत से तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि हमने सभी स्टेकहोल्डर्स के सुझाव लेकर यह कम्प्लीट रोडमैप बनाने का काम किया है, जो निश्चित लक्ष्यों के साथ सबको दिया गया है। इसमें लक्ष्य और समयसीमा भी निश्चित की गई है। कुछ समय बाद इसका रिव्यू भी होगा। नशे के खिलाफ लड़ाई को हमें स्पष्टता के साथ लड़ना है। इस लड़ाई के फोकल पॉइंट्स चिन्हित किया जा चुके हैं और राज्यस्तर पर खुफिया सूचना, जांच, वित्तीय कार्यवाही, अभियोजन को एक ही दिशा में चलाने के लिए एक रोडमैप भी बन चुका हैं। हमने पहली एएनटीएफ कॉन्फ्रेंस में संस्थागत व्यवस्था बनाई थी और उसे सुदृढ़ किया। दूसरे एएनटीएफ सम्मेलन में उस व्यवस्था को कार्यवाही में बदलने के लिए योग्यता, उसके एक्शन और एग्जीक्यूशन पर चर्चा की। अब यह तीसरा एएनटीएफ सम्मेलन इस रोडमैप को, नशे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में परिवर्तित करेगा। अमित शाह ने कहा कि हमने अब तक जो कुछ भी किया है, वह पर्याप्त नहीं है। जब तक हर स्कूल का प्रिंसिपल, गांव का पटवारी, थाने का पीएसआई, राज्य के पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव और भारत सरकार के गृह सचिव तक, एक ही दिशा में काम नहीं करते हैं तब तक हमें सफलता नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज का सम्मेलन सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि इस बार हम टारगेट, टाइमलाइन और अकाउंटबिलिटी तय कर संपूर्ण विजय प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। अब हमें मीटिंग से मिशन, रिपोर्टिंग से रिज्ल्ट, सीजर से नेटवर्क की समाप्ति और केस से कन्विक्शन तक जाना है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि उभरती हुई चुनौतियां, जैसे, सिंथेटिक ड्रग्स और प्रीकर्सर केमिकल्स का डायवर्जन, कम्युनिकेशन की नई तकनीकें, डार्कनेट, ड्रग मार्केट, क्रिप्टो, डेड ड्रॉप डिलीवरी प्रणाली और अंतर्राष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क के लिए आउट ऑफ बॉक्स सोचने वाले अधिकारियों की एक टीम हर राज्य में बनाई जाए और सफलता को साझा कर इसे पूरे देश में लागू किया जाए।

मुख्यमंत्री ने संरक्षण ...

अंकुश लगाने के लिए बेहद कड़े और प्रभावी कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की समृद्ध जैव-विविधता के संरक्षण के साथ-साथ गैंडों और उनके प्राकृतिक आवास की सुरक्षा के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। एक अन्य पोस्ट में मुख्यमंत्री ने काजीरंगा की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि अब वहां गैंडे स्वतंत्र रूप से सांस ले सकते हैं और गैंडों का अवैध शिकार *शून्य* हो गया है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय गैंडा दिवस के अवसर पर इसे सकारात्मक संदेश बताया और कहा कि यह उपलब्धि उनकी सरकार के नेतृत्व में किए गए निरंतर प्रयासों का परिणाम है। शर्मा ने कहा कि एक सींग वाला गैंडा असम की वैश्विक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसके संरक्षण को सरकार आगे भी प्राथमिकता देती रहेगी।

असम में भाजपा को ...

भाजपा अध्यक्ष दीलीप सैकिया को अपना इस्तीफा सौंपा है। गायक सिमांत शेखर ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए भाजपा की प्राथमिक सदस्यता और अपने पद से इस्तीफा दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे भविष्य में किसी भी राजनीतिक दल में शामिल नहीं होंगे। साथ ही इस्तीफा के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को शुभकामनाएं भी दीं और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में असम का विकास और तरक्की जारी रहेगी। सिमांत शेखर असम के जाने-माने गायक, संगीतकार और संगीत निर्माता हैं। उनका जन्म 18 मई 1985 को असम के टिहू में हुआ था। स्कूल के दिनों से ही वे गायक बनना चाहते थे। उन्होंने संगीत में करियर बनाने से पहले डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय से फार्मास्युटिकल साइंस की पढ़ाई की थी, लेकिन अपने दिल की सुनने के लिए उन्होंने उस क्षेत्र को छोड़ दिया। सिमांत शेखर का पहला मुख्यधारा का गाना *तोरा दोई* काफी हिट हुआ था। वह साल 2013 में कोक स्टूडियों में गायक पापोन के साथ *झुमूर* में दिखाई दिए थे। सिमांत शेखर ने संगीत करियर की लोकप्रियता के बाद में भाजपा से सक्रिय राजनीति में कदम रखा था। साल 2022 में सीएम हिमंत शर्मा ने उन्हें असम स्टेट फिल्म फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन का चेयरमैन नियुक्त किया था।

2030 तक छह हजार ...

हिस्सेदारी बढ़ाने से राज्य को अपने ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाने और दीर्घकालिक रूप से पारंपरिक स्त्रोतों पर निर्भरता कम करने में भी मदद मिल सकती है। असम में नवीकरणीय ऊर्जा, विशेष रूप से सौर ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैं, क्योंकि राज्य के कई हिस्सों में भूमि की उपलब्धता और अनुकूल जलवायु परिस्थितियां मौजूद हैं। सरकार अपनी व्यापक विकास रणनीति के तहत स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं में निजी और सार्वजनिक निवेश बढ़ाने का प्रयास कर रही है। नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने का यह प्रयास जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन को बढ़ाने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के व्यापक राष्ट्रीय प्रयासों के बीच हो रहा है। असम के लिए, नियोजित विस्तार से विश्वसनीय बिजली की उपलब्धता में सुधार करके राज्य के उभरते औद्योगिक और निवेश परिदृश्य को समर्थन मिल सकता है, साथ ही स्वच्छ ऊर्जा अवसंरचना, विनिर्माण और संबद्ध क्षेत्रों में अवसर भी पैदा हो सकते हैं। राज्य सरकार विनिर्माण और ऊर्जा से लेकर रसद और प्रौद्योगिकी तक के क्षेत्रों में अवसंरचना विकास और बड़े निवेश को आकर्षित करने पर भी जोर दे रही है। हालांकि, 2030 तक 6,000 मेगावाट का लक्ष्य हासिल करने के लिए उत्पादन क्षमता, पारेषण अवसंरचना, भूमि उपलब्धता और ग्रिड एकीकरण में पर्याप्त निवेश की आवश्यकता होगी। मुख्यमंत्री की घोषणा से संकेत मिलता है कि नवीकरणीय ऊर्जा को न केवल पर्यावरणीय प्राथमिकता के रूप में, बल्कि असम की आर्थिक और अवसंरचना रणनीति के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में भी तेजी से स्थापित किया जा रहा है। आने वाले वर्षों में इस लक्ष्य को परिचालन योग्य नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में बदलने के लिए राज्य को सरकारी एजेंसियों, बिजली कंपनियों और निजी निवेशकों के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता होगी।

सोनिया गांधी के वोटर...

बावजूद उन्हें वोट डालने की अनुमति किस आधार पर मिली, यह जांच का विषय है। प्रदीप भंडारी ने कहा कि वर्ष 1980 में इसी सवाल को लेकर अदालत में याचिका दाखिल की गई थी कि सोनिया गांधी का नाम मतदाता सूची में किस आधार पर शामिल किया गया और उन्हें मतदान की अनुमति कैसे मिली। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इस प्रक्रिया में दस्तावेजों की कथित जालसाजी हुई थी। भंडारी ने कहा कि दिल्ली की अदालत ने मामले में मजिस्ट्रेट अदालत को यह जांच करने का निर्देश दिया है कि क्या इस पूरे मामले में कोई संज्ञेय अपराध बनता है। उन्होंने अदालत की टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा कि पहले मामले को खारिज करने वाली मजिस्ट्रेट अदालत ने मामले पर पर्याप्त रूप से विचार नहीं किया और संज्ञेय अपराध के खुलासे के मूल सवाल पर उचित कार्रवाई नहीं की। भाजपा नेता ने कहा कि अदालत का मानना है कि मामले की जांच की जानी चाहिए। उन्होंने *वोट चोरी* के मुद्दे पर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग वोट चोरी की बात कर रहे हैं, वे वास्तव में लोकतंत्र की चोरी में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी से जुड़े इस मामले में अदालत की टिप्पणियों के बाद उठे सवालों की जांच होना जरूरी है।

पुलिस कस्टडी से ...

कार्रवाई के दौरान विकी सिंह भी गोली लगने से घायल हुआ था। पुलिस के अनुसार, हिरासत से भागने का प्रयास करते समय उसने पुलिसकर्मियों को धक्का देकर फरार होने की कोशिश की थी, जिसके बाद पुलिस ने उसके पैर पर गोली चलाई थी। ड्रग्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर बिहुबर क्षेत्र के स्थानीय लोगों ने भी विरोध प्रदर्शन किया था। इसी बीच मंगलवार तड़के पुलिस हिरासत से भागने का प्रयास करने के दौरान रुबुल खान को पुलिस की गोली लगी। घटना के बाद उसे तत्काल शिवसागर सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है।

एक बार फिर भाजपा...

किया गया। यह झड़प आगामी नागांव लोकसभा उपचुनाव के सिलसिले में सामागुरी में कांग्रेस के प्रचार के दौरान हुई हिंसा की एक अलग घटना के एक दिन बाद हुई है। सोमवार को, असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और अन्य पार्टी नेताओं को ले जा रहे कांग्रेस के प्रचार काफिले पर कथित तौर पर उस समय पथराव किया गया जब वह सामागुरी में एक चुनावी सभा में जा रहा था। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि इस घटना के लिए भाजपा समर्थक जिम्मेदार थे और इसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। भाजपा ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि उनके अनुसार सामागुरी की घटना कांग्रेस के भीतर प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच टकराव थी। मुख्यमंत्री शर्मा ने कांग्रेस के राज्य नेतृत्व को सलाह दी कि वे इस घटना के लिए राजनीतिक विरोधियों को जिम्मेदार ठहराने के बजाय पार्टी के भीतर के मतभेदों को सुलझाएं। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीतिक मतभेदों को सड़कों पर नहीं उतरने देना चाहिए और न ही इससे शांति और सार्वजनिक व्यवस्था भंग होनी चाहिए। मोरीगांव में हुई ताजा झड़प ने असम में राजनीतिक तनाव को और बढ़ा दिया है। यह तनाव 6 अक्तूबर को होने वाले नागांव लोकसभा उपचुनाव के लिए गहन प्रचार और तैयारियों के बीच पैदा हुआ है। कांग्रेस ने उपचुनाव में सिबामोनी बोरा को उम्मीदवार बनाया है और पार्टी के वरिष्ठ नेता पूरे लोकसभा क्षेत्र में प्रचार कर रहे हैं। राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में अधिकारी सतर्कता बरत रहे हैं ताकि प्रतिद्वंद्वी दलों के समर्थकों के बीच और झड़पें न हों। मंगलवार की झड़प के संबंध में किसी भी चोट, गिरफ्तारी या दर्ज किए गए मामलों के बारे में आगे की जानकारी की प्रतीक्षा है।

विश्व गैंडा दिवस पर...

गैंडों को फिर से बसाने की सफलता इतिहास रच रही है। मोदी ने कहा कि ये प्रयास संबंधित राज्यों में पशु संरक्षण और सक्रिय वन्यजीव प्रबंधन के प्रति लोगों की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री ने एक पोस्ट में कहा कि विश्व गैंडा दिवस पर हम शानदार एक सींग वाले गैंडे का उत्सव मनाते हैं और इसके संरक्षण में अग्रिम मोर्चे पर काम कर रहे सभी लोगों की सराहना करते हैं। उन्होंने कहा कि असम में अब दुनिया के करीब 80 प्रतिशत गैंडे हैं और काजीरंगा में गैंडों के अवैध शिकार को समाप्त करने के प्रयासों की व्यापक सराहना हुई है। प्रधानमंत्री ने पोस्ट में कहा कि देश में प्रजाति संरक्षण को आगे बढ़ाने के लिए *प्रोजेक्ट राइनो* शुरू किया गया है, जिसके तहत गैंडा बहुल राज्यों को संरक्षण, आवास प्रबंधन, आनुवंशिक सुधार और आबादी की गतिशीलता को समझने के लिए वित्तीय तथा तकनीकी सहायता दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने विश्व गैंडा दिवस के अवसर पर गैंडों के संरक्षण से जुड़े कई चित्र भी साझा किए।

विकसित भारत 2047...

भविष्य का रोड मैप भी तैयार होगा। वर्ष 2021 में सरकार ने विभिन्न सेक्टर के लिए सचिवों के दस समूह बनाए थे जो स्केटहोल्डर से पूरी चर्चा कर प्लान तैयार करेगा। उन समूहों के प्रजेंटेशन पर चर्चा होगी और प्रधानमंत्री मंत्रिसमूह को संबोधित करेंगे। माना जा रहा है कि सरकार ईज आफ लिविंग के साथ साथ उद्योग व्यापार में कानूनी अड़चनों को दूर करने, सुधार, रोजगार सृजन और सामाजिक सुरक्षा के विषय पर ही ज्यादा केंद्रित रहेगी। मैन्यूफैक्चरिंग के साथ साथ सप्लाई चेन में आत्मनिर्भरता के लिए कुछ सुधार किए जाएंगे। ऐसे उद्योंगों को प्राथमिकता दी जाएगी जो रोजगार सृजन में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। स्किल भी सरकार की प्राथमिकता में है और इसकी समीक्षा होगी। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से फिर से सभी मंत्रियों के साथ साथ सचिवों को भी संवाद बढ़ाने को कहा जा सकता है। बताया जाता है कि इस तरह के चिंतन शिविर आगे भी होते रहेंगे ताकि समय के साथ उसमें बदलाव कर गति तेज की जा सके।

यूपीआई पेमेंट पर ग्राहकों ...

न ही उपकर। इससे मिलने वाली राशि सरकार के समेकित कोष में भी नहीं जाएगी। उन्होंने कहा कि यह भुगतान व्यवस्था को बेहतर बनाने और उससे जुड़ी सेवाओं को चलाने के लिए संबंधित सेवा प्रदाताओं के बीच लगाया जाने वाला शुल्क है। गौरतलब है कि 15 सितंबर को भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम ने यूपीआई के लिए नया शुल्क ढांचा जारी किया था। इसके तहत 2,000 रुपए से अधिक के व्यक्ति से व्यापारी को किए जाने वाले भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लागू किया गया है। 75,000 रुपए या उससे अधिक के लेन-देन पर यह शुल्क अधिकतम 300 रुपए प्रति लेन-देन तक सीमित रहेगा। सरकार के अनुसार इस राशि को बैंक, भुगतान सेवा प्रदाता और यूपीआई से जुड़े अन्य हिस्सेदारों के बीच बांटा जाएगा। मौजूद जानकारी के अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति को किए जाने वाले यूपीआई भुगतान पर कोई एमडीआर नहीं लगेगा, चाहे रकम कितनी भी हो। इसी तरह 2,000 रुपए तक के व्यापारी भुगतान भी शुल्क मुक्त रहेंगे। छोटे व्यापारियों के लिए तय शून्य-एमडीआर व्यवस्था भी जारी रहेगी। सरकार का कहना है कि कुल व्यापारी लेन-देन में करीब 96 प्रतिशत इस बदलाव से प्रभावित नहीं होंगे। वित्त मंत्री ने विपक्ष पर इस मुद्दे को लेकर भ्रम फैलाने का आरोप भी लगाया।

पीटीआई के मार्च से ...

उच्च न्यायालय (हाई कोर्ट) ने भी प्रस्तावित मार्च के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। कहा गया है कि सार्वजनिक सड़कों और अन्य सुविधाओं में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इस्लामाबाद पुलिस ने एमएनए आदिल बजई को गिरफ्तार कर लिया है, जिससे राजधानी में हिरासत में लिए गए पीटीआई सांसदों की संख्या छह हो गई है। हिरासत में लिए गए सांसदों में सीनेटर सैफुल्ला नियाजी, एमएनए सनाउल्लाह मस्ती खेल, मियां अहसान जमाल, दावर कुंडी, गौस मुहम्मद और आदिल बजई शामिल हैं। उन्हें *मेंटेनेंस ऑफ पब्लिक ऑर्डर* (एमपीओ) अध्यादेश की धारा 3 के तहत हिरासत में लिया गया है और झेलम जेल भेज दिया गया है। इस बीच, विरोध प्रदर्शन के दौरान आवाजाही को रोकने की तैयारियों के तहत इस्लामाबाद में अलग-अलग स्थानों पर रात भर कंटेनरों की लंबी कतारों को वेल्डिंग के जरिए जोड़ा जा रहा है। अधिकारियों ने 27 सितंबर के मार्च से पहले राजधानी में मुख्य प्रवेश और निकास बिंदुओं और प्रमुख सड़कों को अवरुद्ध करने के लिए बड़ी संख्या में कंटेनरों की व्यवस्था की है। पीटीआई ने कहा है कि मार्च होकर रहेगा। इमरान की पार्टी ने विरोध प्रदर्शन को अपना लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकार बताया है। सोमवार को पेशावर में पीटीआई चेयरमैन बैरिस्टर गोहर अली खान ने कहा कि पार्टी संघीय स्तर पर संबंधित लोगों के संपर्क में है और हालिया गिरफ्तारियों को लेकर चिंतित है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे कदमों से स्थिति और बिगड़ सकती है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने भी *लॉन्ग मार्च* के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि पीटीआई अपनी योजना के मुताबिक लोगों को एकजुट करने का काम जारी रखेगी। इमरान के परिवार के सदस्यों की हिरासत ने तनाव और बढ़ा दिया है। उनकी बहन अलीमा खान की हिरासत के बाद उनकी अन्य बहनों नूरीन नियाजी और उजमा खान को भी हिरासत में ले लिया गया और 30 दिनों के लिए कोट लखपत जेल भेज दिया गया। अलीमा की हिरासत को चुनौती देने वाली एक याचिका लाहौर हाई कोर्ट में दायर की गई है। गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने कहा है कि सरकार विरोध प्रदर्शनों के कारण होने वाली अव्यवस्था को दोबारा होने से रोकने के लिए एक स्थायी रणनीति अपनाएगी।

कीनिया में पेट्रोलियम ...

कूटनीतिक संबंध अच्छे नहीं है लेकिन वह भी भारतीय पेट्रो उत्पादों का नया खरीदार बन गया है। पारंपरिक बाजारों जैसे यूएई और अमेरिका को निर्यात घटा है, लेकिन नए गंतव्यों ने इसकी भरपाई कर दी है। संकेत है कि रूस भारत से रिफाइंड उत्पादों की खरीद बढ़ाने को बहुत ही ज्यादा उत्सुक है। हेल्सिंकी स्थित सेंटर फार रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की हाल में जारी रिपोर्ट के अनुसार, रूस ने अगस्त माह में 1.72 लाख टन तेल उत्पाद आयात किए, जिनकी कीमत करीब 11.4 करोड़ यूरो थी। इनमें से 70 फीसद भारत से आयात किया गया था। आधिकारिक के मुताबिक रिपोर्ट के मुताबिक, यह पेट्रोल गुजरात की नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी से लदा, मिस्र के दामिएत्ता लाइटरिंग जोन में जहाज-से-जहाज स्थानांतरण हुआ और फिर रूस के आर्कटिक बंदरगाह बेलोए मोरे पहुंचा। हालांकि आधिकारिक तौर पर भारत सरकार ने इस रिपोर्ट की पुष्टि नहीं की है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत अब वैश्विक रिफाइंड ईंधन बाजार में एक भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता बन रहा है। वाणिज्य मंत्रालय का डाटा बताता है कि अप्रैल-अगस्त, 2026 में *पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स* निर्यात 35.31 अरब डॉलर रहा है पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 39.43 फीसद ज्यादा है। अकेले अगस्त में पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 63.27 फीसद बढ़ कर 6.81 अरब डॉलर का हो गया है। निश्चित तौर पर इस दौरान पेट्रोलियम आयात काफी ज्यादा बढ़ा है क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में क्रूड लगातार महंगा होता जा रहा है। भारत की रिफाइनिंग क्षमता इस बदलाव का आधार है। देश में 23 चालू रिफाइनरियों की कुल स्थापित क्षमता अब 26.7 करोड़ टन प्रति वर्ष के आसपास पहुंच गई है। सरकार का लक्ष्य 2030 तक इसे 30-31 करोड़ टन और लंबे समय में 45 करोड़ टन तक पहुंचाने का है। इंडियन आयल की पानीपत, कोयली, बरौनी और पारादीप रिफाइनरियों में विस्तार परियोजनाएं 2026 के अंत तक चालू होने वाली हैं। नुमुलीगढ़ रिफाइनरी की क्षमता 30 लाख टन से बढ़ाकर 90 लाख टन करने का काम 2027 की शुरुआत में पूरा होने की उम्मीद है। राजस्थान में एचपीसीएल की नई रिफाइनरी पहले ही चालू हो चुकी है, जबकि आंध्र प्रदेश में बीपीसीएल की नई ग्रीनफील्ड परियोजना पर काम आगे बढ़ रहा है।

यूसुफ पठान बने ...

खान, दीपक अधिकारी देव, जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया, रचना बनर्जी और चंद्रिमा पांजा को भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। इस खबर को लगातार अपडेट किया जा रहा है। हम अपने सभी पाठकों को पल-पल की खबरों से अपडेट करते हैं। हम लेटेस्ट और ब्रेकिंग न्यूज को तुरंत ही आप तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रारंभिक रूप से प्राप्त जानकारी के माध्यम से हम इस समाचार को निरंतर अपडेट कर रहे हैं। ताजा ब्रेकिंग न्यूज और अपडेट्स के लिए जुड़े रहिए जागरण के साथ।

नहीं रहीं रानी ...

अपील की है। यशराज फिल्म्स ने परिवार की ओर से जारी बयान में कहा कि कृष्णा मुखर्जी के निधन से परिवार गहरे दुख में है। परिवार ने मुश्किल घड़ी में मिल रहे प्यार, प्रार्थनाओं और समर्थन के लिए सभी का आभार जताया है और लोगों से इस शोक की घड़ी में उनकी निजी भावनाओं और पारिवारिक समय का सम्मान करने का अनुरोध किया है। अभी तक उनके निधन की वजह या अंतिम संस्कार से जुड़ी विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। कृष्णा मुखर्जी का नाता भी फिल्म जगत से रहा था। वह बंगाली और हिंदी सिनेमा में पार्श्व गायिका के तौर पर काम कर चुकी थीं। उनके नाम *मॉमेर आलो, हैवान, तीसरी आंख* और *तोमार रक्ते आमार सोहाग* जैसी फिल्मों से जुड़े क्रेडिट मिलते हैं। वह फिल्म निर्माता राम मुखर्जी की पत्नी थीं। राम मुखर्जी फिल्मलय स्टूडियो के संस्थापकों में शामिल थे। कृष्णा मुखर्जी अपनी बेटी रानी के बेहद करीब थीं। रानी कई मौकों पर अपनी मां को अपने जीवन और अभिनय करियर की महत्वपूर्ण प्रेरणा बता चुकी हैं। रिपोर्टों के अनुसार, कृष्णा ने रानी की अभिनय प्रतिभा को शुरुआती दौर में ही पहचाना था और उन्हें फिल्मी दुनिया में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। रानी ने भी अलग-अलग मौकों पर अपनी मां के मार्गदर्शन और समर्थन को याद किया है। कृष्णा मुखर्जी को बेटी रानी के साथ कई सार्वजनिक मौकों पर देखा जाता रहा है। रानी के फिल्मी सफर में परिवार की भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रही है। फिल्मी पृष्ठभूमि वाले परिवार में पली-बढ़ीं रानी ने आगे चलकर हिंदी सिनेमा में अपनी अलग पहचान बनाई और करीब तीन दशक के करियर में *कुछ कुछ होता है, साथिया, हम तुम, ब्लैक* और *मर्दानी* जैसी फिल्मों में यादगार भूमिकाएं निभाईं।

विदेशी न्यायाधिकरण के फैसलों को ही आयुक्त के तौर पर लागू किया : देवाशीष शर्मा

नगांव (हिंस)। नगांव विधानसभा उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार देवाशीष शर्मा ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने आयुक्त के रूप में केवल विदेशी न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए फैसलों और आदेशों को लागू किया था तथा ऐसे मामलों में व्यक्तिगत रूप से कोई निर्णय नहीं लिया। शर्मा ने एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल के उस बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यह बात कही, जिसमें अजमल ने कथित तौर पर उन्हें सांसद चुने जाने के एक महीने बाद जेल भेजने की धमकी दी थी। देवाशीष शर्मा ने अजमल से अपील की कि वे संबंधित मामलों का अध्ययन करने के बाद ही बयान दें और तथ्यों की जानकारी के बिना लोगों को भ्रमित न करें। उन्होंने कहा कि विदेशी न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए फैसलों को ही उन्होंने अपने आधिकारिक दायित्व के तहत लागू किया था।

नगांव उपचुनाव : असम भाजपा का कांग्रेस पर वंशवाद और हिंसा को लेकर हमला

गुवाहाटी (हिंस)। नगांव लोकसभा सीट पर 6 अक्तूबर को होने वाले उपचुनाव से पहले असम भाजपा ने कांग्रेस पर वंशवादी राजनीति, गांधी परिवार की चापलूसी और कथित आर्थिक लेन-देन को उम्मीदवार चयन का प्रमुख आधार बनाने का आरोप लगाया है। भाजपा ने सोमवार को सामगुड़ी विधानसभा क्षेत्र में हुई हिंसा की घटना को लेकर कांग्रेस के आरोपों को भी खारिज किया। भाजपा प्रवक्ता किशोर कुमार भट्टाचार्य ने मंगलवार को यहां वाजपेयी भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सामगुड़ी में चुनावी हिंसा कोई नई घटना नहीं है। उनके अनुसार, इससे पहले भी चुनावों के दौरान यहां कई हिंसक घटनाएं हुई हैं और कुछ मामलों में जांच के बाद कांग्रेस के भीतर गुटीय संघर्ष को इसका कारण बताया गया

था। भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि पूर्व सामागुड़ी विधायक रकीबुल हुसैन ने क्षेत्र को लंबे समय तक अपने व्यक्तिगत राजनीतिक प्रभाव वाले क्षेत्र के रूप में इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय कांग्रेस के भीतर गुटीय संघर्ष, सत्ता की होड़ और टिकट को लेकर विवाद सामने आते रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में भी चुनावी दौर के दौरान कार्यकर्ताओं के बीच कई बार गंभीर टकराव देखने को मिला है। इसके विपरीत उन्होंने दावा किया कि भाजपा कार्यालय वाजपेयी भवन में इस तरह की घटनाएं कभी नहीं हुई हैं। उन्होंने इसे भाजपा कार्यकर्ताओं के अनुशासन और संगठनात्मक संस्कृति से जोड़कर देखा। नगांव उपचुनाव को लेकर भट्टाचार्य ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र में अल्पसंख्यक मतदाताओं के समर्थन को लेकर कांग्रेस और एआईयूडीएफ के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भी तनाव का एक कारण है। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार की विकासोन्मुखी नीतियों से प्रभावित होकर अल्पसंख्यक समुदाय के कुछ लोग भाजपा के समर्थन में आगे आ रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पर अल्पसंख्यक समुदायों को लंबे समय से *वोट बैंक* के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया और कहा कि बदलते राजनीतिक रुझान से कांग्रेस चिंतित है। उन्होंने कांग्रेस और एआईयूडीएफ के संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों दल कभी गठबंधन करते हैं और कभी एक-दूसरे के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में सामने आते हैं। भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा नगांव की जनता से विकास के मुद्दे पर जनादेश मांग रही है और उसने यह दावा नहीं किया है कि वह उपचुनाव निश्चित रूप से जीतेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस भाजपा की बढ़ती राजनीतिक मौजूदगी को लेकर चिंतित है और चुनाव से पहले इसी तरह की घटनाओं के जरिए मतदाताओं की सहानुभूति हासिल करने का प्रयास किया जा सकता है। नगांव लोकसभा सीट के लिए उपचुनाव 6 अक्तूबर को होगा, जबकि मतगणना 9 अक्तूबर को की जाएगी।

तामुलपुर में मंत्रियों ने आंगनबाड़ी केंद्रों और कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की

तामुलपुर (हिंस)। असम सरकार के हथकरघा, वस्त्र एवं रेशम उद्योग तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वजीत दैमारी और महिला एवं बाल विकास मंत्री अजंता नेओग ने मंगलवार को तामुलपुर जिला आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में जिला प्रशासन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में जिले में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। दोनों मंत्रियों ने संबंधित अधिकारियों और कार्यान्वयन एजेंसियों को निर्देश दिया कि सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण निर्धारित समयसीमा के अनुसार अक्तूबर के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने निर्माण कार्य में निर्धारित गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने पर भी जोर दिया। बैठक में केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं *बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ* अभियान और *प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना* के क्रियान्वयन की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मंत्रियों ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि महिलाओं और बच्चों के समग्र कल्याण के लिए संचालित योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए। उन्होंने अधिकारियों से अधिक जवाबदेही, सक्रियता और गतिशीलता के साथ कार्य करने को कहा।

असम में नशा विरोधी अभियान को मिला व्यापक जनसमर्थन
तिनसुकिया में राज्यपाल ने पदयात्रा का किया नेतृत्व

गुवाहाटी (हिंस)। असम में नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान को गति देते हुए राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने मंगलवार को तिनसुकिया में *नशा मुक्त भारत संकल्प पदयात्रा* का नेतृत्व किया। राज्यव्यापी अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ जनजागरूकता बढ़ाने और अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देना है। तिनसुकिया में आयोजित कार्यक्रम राज्यपाल के जारी क्षेत्रीय जनजागरूकता अभियान की नवीनतम् कड़ी रहा। अभियान की शुरुआत कछार से हुई थी, जिसके बाद श्रीभूमि और ऊपरी असम के विभिन्न क्षेत्रों, डिब्रूगढ़ तथा अब तिनसुकिया तक पदयात्रा पहुंची है। तिनसुकिया कॉलेज में आयोजित एक बड़े जनसमूह को संबोधित करते हुए राज्यपाल आचार्य ने तिनसुकिया को असम की विरासत, पहचान और औद्योगिक शक्ति का प्रतीक बताया। उन्होंने युवाओं से ज्योतिप्रसाद अग्रवाला, लक्ष्मीनाथ बेजबरुवा और भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका जैसे महान व्यक्तित्वों की विरासत से प्रेरणा लेने और नशे से दूर रहने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर *नशा मुक्त भारत संकल्प* को जन आंदोलन में बदलने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आत्म-अनुशासन, संयम और नैतिक आचरण भारतीय सभ्यता की परंपराओं में गहराई से जुड़े हैं। नशीले पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई जरूरी है, लेकिन केवल पुलिस व्यवस्था के माध्यम से नशामुक्त समाज का निर्माण संभव नहीं है। इसके लिए परिवारों, विद्यालयों, नागरिक समाज और स्थानीय प्रशासन को मिलकर काम करना होगा। आचार्य ने नशीले पदार्थों के खिलाफ असम सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति की सराहना की। उन्होंने युवाओं को सार्थक जीवन की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए *निजुत मोइना* और *निजुत बाबू* जैसी कल्याणकारी पहलों का भी उल्लेख किया। जनसभा के बाद राज्यपाल ने तिनसुकिया कॉलेज से महात्मा गांधी पार्क तक पदयात्रा को रवाना किया और स्वयं सैकड़ों नागरिकों, विद्यार्थियों तथा स्थानीय नेताओं के साथ पैदल चले। पार्क पहुंचने पर उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की और नशे की लत के खिलाफ संघर्ष में सत्य, आत्मसंयम तथा सामुदायिक जिम्मेदारी के महत्व को रेखांकित किया। इससे पहले तिनसुकिया के जिला आयुक्त सुमित सत्तावन ने कार्यक्रम में शामिल लोगों को नशा मुक्त भारत संकल्प की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में तिनसुकिया जिले के संरक्षक मंत्री रामेश्वर तेली, विधायक संजय किसान और पुलक गोहाईं, जिला आयुक्त सुमित सत्तावन, पुलिस अधीक्षक मयंक कुमार, तिनसुकिया नगर पालिका बोर्ड के अध्यक्ष पुलक चेतिया, वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी, शिक्षण संस्थानों के प्रमुख, सामाजिक कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और युवा उपस्थित रहे।

लाहोरीघाट में कांग्रेस की विशाल कार्यकर्ता सभा
भाजपा पर डराने-धमकाने और प्रलोभन की राजनीति का आरोप

गुवाहाटी (हिंस)। नगांव लोकसभा उपचुनाव को लेकर कांग्रेस ने चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। इसी क्रम में मंगलवार को मोरीगांव जिले के लाहोरीघाट में लाहोरीघाट ब्लॉक कांग्रेस के तत्वावधान में काठनी माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में विशाल कार्यकर्ता सभा आयोजित की गई। सभा में कांग्रेस के असम प्रभारी भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद गौरव गोगोई, विधानसभा में विपक्ष के नेता वाजेद अली चौधरी, एआईसीसी सचिव मनोज चौहान, पृथ्वीराज साठे, विधायक रकीबुद्दीन अहमद, स्थानीय विधायक डॉ. आसिफ नजर और पार्टी उम्मीदवार शिवामणि बोरा समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा सरकार पर महंगाई, बेरोजगारी और बाढ़ प्रबंधन को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, चीनी और खाद्य तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच बेरोजगार युवाओं को परीक्षा में पेपर लीक जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बघेल ने आरोप लगाया कि असम में बाढ़ के दौरान डबल इंजन सरकार लोगों को अपेक्षित राहत देने में विफल रही। सामागुड़ी में कांग्रेस के काफिले पर कथित हमले का जिक्र करते हुए बघेल ने इसे भाजपा की घबराहट बताया और कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से लाहोरीघाट में शिवामणि बोरा को कम से कम डेढ़ लाख वोटों के अंतर से जिताने का आह्वान किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने लाहोरीघाट के साथ अपने पारिवारिक और राजनीतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए पूर्व मंत्री डॉ. नजरूल इस्लाम और पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई को याद किया। उन्होंने भाजपा पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पंचायत प्रतिनिधियों को कथित तौर पर डराने-धमकाने तथा प्रलोभन देने का आरोप लगाया। गोगोई ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और एआईयूडीएफ नेता बदरुद्दीन अजमल के बीच कथित राजनीतिक समझ को लेकर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मुश्किल आने पर मुख्यमंत्री अजमल से संपर्क करते हैं। गोगोई ने एनआरसी के दौरान कांग्रेस की भूमिका और डी-वोटर से जुड़े मामलों में कानूनी सहायता का भी उल्लेख किया। सभा के अंत में कांग्रेस उम्मीदवार शिवामणि बोरा ने कार्यकर्ताओं और उपस्थित लोगों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय लोगों को विभिन्न प्रकार के प्रलोभन दिए जा सकते हैं। लाहोरीघाट में मंत्रियों के डेरा डालने का जिक्र करते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि जो मंत्री अब चुनाव के समय क्षेत्र में पहुंच रहे हैं, वे इससे पहले जनता की समस्याओं के समय कहां थे। उन्होंने लोगों से किसी भी प्रलोभन या दुष्प्रचार से प्रभावित हुए बिना कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

रंगिया : जलझूलनी एकादशी पर धूमधाम से निकाली ठाकुरजी की पालकी

रंगिया (विभास)। रंगिया में हर वर्ष की तरह इस बार मंगलवार को जलझूलनी एकादशी (डोल ग्यारस) का पर्व पूरे श्रद्धाभाव, हर्षोल्लास और धार्मिक अनुष्ठान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्थानीय श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण से मंदिर के महंत पुजारी गोपाल शर्मा की अगुवाई में भगवान ठाकुरजी को आकर्षक एवं सुसज्जित डोले (पालकी) में विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। भजनों की मधुर तान और गाजे-बाजे की गूंज के साथ निकली यह डोल यात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए रंगिया स्थित छठ पूजा घाट पहुंची। यात्रा के दौरान मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर ठाकुरजी के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। छठ पूजा घाट पहुंचने पर महंत गोपाल शर्मा के द्वारा ठाकुरजी का पंचामृत से अभिषेक और स्नान संपन्न कराया गया। इसके बाद विधि-विधान से विशेष पूजा-अर्चना के साथ प्रभु को जल विहार कराया गया। जल विहार के उपरांत आरती की गई तथा ठाकुरजी को विशेष प्रसाद का भोग अर्पित किया गया। पूजा-अर्चना संपन्न होने के पश्चात डोल यात्रा पुन: मंदिर प्रांगण पहुंची, जहाँ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ ठाकुरजी को उनके यथास्थान पर विराजमान किया गया। डोल यात्रा की वापसी पर उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

जंगली हाथी के हमले में दो की मौत

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के ढेकियाजुली के पसकत इलाके में जंगली हाथी द्वारा किए गए हमले में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।. पुलिस ने मंगलवार को बताया कि ढेकियाजुली के पसकत इलाके में खाद्य की तलाश में जंगली हाथी का एक झुंड जंगल से बाहर आ गया था। जंगली हाथी द्वारा किए गए हमले में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान रहमत अली और गणेश टप्पो के रूप में की गई है। हाथी उरांग राष्ट्रीय उद्यान से निकाल कर आया था। दोनों व्यक्तियों की मौत के बाद पीरकाटा और रतनजुली गांव में मातम का माहौल है। पुलिस दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। वहीं घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इस हादसे के लिए वन विभाग को जिम्मेदार ठहराया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आए दिन जंगली हाथी भोजन की तलाश में गांव में घुस आते हैं। वन विभाग को इसकी जानकारी दिए जाने के बाद भी विभाग द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। जिसके वजह से यह हादसा जाता है। इस बीच वन विभाग की एक टीम जंगली हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ने में लगीं हुई है।

स्कूल की जमीन पर कब्जे के आरोप को लेकर देरगांव थाने के बाहर तनाव

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिले के देरगांव थाना परिसर के बाहर बीती रात उस समय तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई, जब कोयलाघाट गांव के बड़ी संख्या में ग्रामीण थाने के सामने जमा हो गए। ग्रामीणों ने गांव के ही निवासी एवं शिक्षक रमेश पांडे पर बंद हो चुके प्राथमिक विद्यालय की जमीन पर कब्जा करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। जानकारी के अनुसार, कोयलाघाट प्राथमिक विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या कम होने के कारण कुछ समय पहले सरकार ने विद्यालय को बंद कर दिया था। ग्रामीणों का दावा है कि विद्यालय के लिए रमेश पांडे के पूर्वजों ने करीब दो बीघा जमीन दान की थी। विद्यालय बंद होने के बाद उक्त जमीन पर दोबारा कब्जा करने का प्रयास किए जाने के आरोप को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी फैल गई। इसी मुद्दे को लेकर कोयलाघाट गांव के कुछ मिसिंग समुदाय के ग्रामीण सोमवार रात देरगांव थाने पहुंचे और अपनी आपत्ति दर्ज कराई। बड़ी संख्या में ग्रामीणों के थाने के सामने जमा होने से कुछ समय के लिए तनावपूर्ण माहौल बन गया। स्थिति की सूचना मिलते ही देरगांव पुलिस मौके पर पहुंची और हस्तक्षेप करते हुए ग्रामीणों को समझाया। पुलिस के प्रयास से बाद में स्थिति नियंत्रण में आ गई। मामले को लेकर ग्रामीणों की शिकायत और जमीन के स्वामित्व से संबंधित तथ्यों की जांच की जा रही है।

लखीमपुर में प्लास्टिक गोदाम में लगी भीषण आग, मौके पर पहुंचीं दमकल की टीमें

लखीमपुर (हिंस)। लखीमपुर में मंगलवार को एक प्लास्टिक के गोदाम में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी विकराल थी कि गोदाम से उठती लपटें और धुएं का गुबार दूर से दिखाई दे रहा था। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। समाचार लिखे जाने तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका था। आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल पाया है। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

हिंदी पुस्तकों से रूबरू हुए केंद्रीय विद्यालय, कोकराझाड़ के विद्यार्थी

कोकराझाड़ (हिंस)। विद्यार्थियों में हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रति रुचि विकसित करने तथा उनकी सृजनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), बंगाईगांव के तत्वावधान में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, बंगाईगांव रिफाइनरी द्वारा मंगलवार को केंद्रीय विद्यालय, कोकराझाड़ में हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी एवं *सृजनात्मक हिंदी लेखन* विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में आयोजित हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी विद्यार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही। प्रदर्शनी में विभिन्न विषयों एवं विधाओं से संबंधित

हिंदी पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया। विद्यार्थियों ने पुस्तकों को उत्सुकता के साथ देखा तथा हिंदी साहित्य के विविध स्वरूपों और विषय-वस्तु के बारे में जानकारी प्राप्त की। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में पुस्तक पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ हिंदी भाषा के प्रति सहज और सकारात्मक जुड़ाव विकसित करना था। कार्यशाला के दौरान युवा कवि एवं रंगकर्मी मो. रहमान ने संकाय सदस्य के रूप में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने सृजनात्मक लेखन की बारीकियों से विद्यार्थियों को परिचित कराते हुए कविता, कहानी एवं अन्य साहित्यिक विधाओं में प्रभावी अभिव्यक्ति के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाशक्ति, अनुभव और विचारों को शब्दों के माध्यम से अभिव्यक्त करने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला संवादात्मक रही और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया। इस अवसर पर केंद्रीय विद्यालय, कोकराझाड़ की प्राचार्य डॉ. जया पाण्डेय मिश्रा ने नराकास, बंगाईगांव की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में भाषा एवं साहित्य की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में पठन-पाठन की आदत विकसित करने के साथ-साथ उनकी रचनात्मक सोच और अभिव्यक्ति क्षमता को भी सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी विद्यार्थियों के लिए इस प्रकार के साहित्यिक एवं भाषायी कार्यक्रम आयोजित किए जाने की आशा व्यक्त की। नराकास, बंगाईगांव द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम हिंदी के प्रचार-प्रसार को विद्यालयी स्तर तक पहुंचाने तथा नई पीढ़ी को हिंदी साहित्य एवं सृजनात्मक लेखन से जोड़ने की दिशा में एक सार्थक पहल रहा। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एंबुलेंस में मरीज की जगह मिले तस्करी के मवेशी तीन गाय बरामद

धुबड़ी (हिंस)। पश्चिम बंगाल से असम के गौरीपुर की ओर जा रही एक एंबुलेंस से तस्करी कर ले जाए जा रहे तीन मवेशियों को आगमोनी पुलिस ने बरामद किया। पुलिस ने सोमवार देर रात अभियान चलाकर एंबुलेंस को रतियादह ट्रैफिक प्वाइंट के पास रोककर तलाशी ली। जानकारी के अनुसार, एंबुलेंस पश्चिम बंगाल से आगमोनी के खेरबाड़ी होते हुए गौरीपुर की ओर जा रही थी। खेरबाड़ी चतुर्थ खंड गांव के पास पुलिस ने संदिग्ध एंबुलेंस का पीछा किया और रतियादह ट्रैफिक प्वाइंट के समीप उसे रोकने में सफलता हासिल की। इसके बाद पुलिस ने एंबुलेंस की तलाशी ली, जिसमें मरीज के बजाय तीन मवेशी पाए गए। पुलिस ने तीनों मवेशियों को बरामद कर एंबुलेंस को भी जब्त कर लिया। जब्त एंबुलेंस का पंजीकरण नंबर एमएल-13ए-7086 बताया गया है।

9 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी असमिया फिल्म *डिफोलु*, गुवाहाटी में ट्रेलर लांच

गुवाहाटी। असमिया फिल्म प्रेमियों के इंतजार को खत्म करते हुए बरलुइत प्रोडक्शंस की नई असमिया फीचर फिल्म *डिफोलु* का ट्रेलर आज बेलतला स्थित मैट्रिक्स सिनेमाज में आधिकारिक रूप से लांच किया गया। आगामी 9 अक्तूबर को राज्यभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही इस फिल्म के लिए ट्रेलर लांच को एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। ट्रेलर लांच कार्यक्रम में फिल्म के मुख्य कलाकार सुब्रत देउरी और अमृता गोगोई के साथ-साथ असम के सांस्कृतिक जगत की जानी-मानी हस्तियां मृदुला बरुवा, अरुण नाथ, अरुण हजारिका और पूर्णदा हजारिका तथा मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहे। नेकिब के निर्देशन और जेकिव के निर्माण में बनी *डिफोलु* की कहानी असम के ग्रामीण जीवन की सहज और वास्तविक परिस्थितियों की पृष्ठभूमि पर आधारित है। स्थानीय संस्कृति, लोक परंपराओं और ग्रामीण

जीवन की जीवंत धड़कन को केंद्र में रखते हुए फिल्म में हास्य, भावनाओं और सामाजिक चेतना का सहज समावेश किया गया है। इस अवसर पर वरिष्ठ असमिया अभिनेत्री चेतना दास को हाल ही में वर्ष 2025 के संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किए जाने के उपलक्ष्य में सम्मानित किया गया। टीम डिफोलु के साथ-साथ फिल्म जगत से जुड़े कई लोगों और कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने इस प्रतिष्ठित कलाकार को उनके राष्ट्रीय सम्मान के लिए बधाई दी तथा असमिया थिएटर और सिनेमा जगत में उनके कई दशकों के योगदान को भी सम्मानपूर्वक स्वीकार किया। ट्रेलर में *डिफोलु* की कहानी की पृष्ठभूमि और इसके मुख्य किरदार की यात्रा की झलक देखने को मिलती है। जीवन के सफर में अलग-अलग लोगों और परिस्थितियों से उसका सामना होता है, जो धीरे-धीरे जीवन के प्रति उसके नजरिए को बदलते हैं। ग्रामीण असम की मिट्टी और वहां के वास्तविक जीवन से गहराई से जुड़ी यह फिल्म इस बात को सामने लाती है कि अप्रत्याशित परिस्थितियां किस तरह लोगों को एक-दूसरे के करीब ला सकती हैं। ट्रेलर लांच के अवसर पर निर्देशक नेकिब ने कहा कि ट्रेलर लांच का यह क्षण हमारे लिए बेहद खास है, क्योंकि *डिफोलु* मेरे लिए एक लंबी और बेहद निजी यात्रा रही है। आखिरकार फिल्म की दुनिया की एक झलक दर्शकों के साथ साझा कर पाना हमारे लिए खुशी की बात है। अब हम 9 अक्तूबर को पूरी फिल्म दर्शकों के सामने लाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के संगीत से भी *डिफोलु* को एक खास भावनात्मक आयाम मिलता है। फिल्म में हर असमिया के दिल की धड़कन जुबिन गर्ग और गायत्री हजारिका के अंतिम युगल गीत *सरोगी सोपून* शामिल है। वहीं, जुबिन गर्ग और रूपाली काश्यप की आवाज में गाया गया एक और जोशीला प्रेम गीत *प्रेम बारु* फिल्म में प्रेम और रिश्तों की भावनाओं को और जीवंत बनाता है। फिल्म के संगीत में राकेश रियान और मोंटुमोनी सैकिया की आवाज में गाने भी शामिल हैं। गीतों के बोल नेकिब ने लिखे हैं, जबकि संगीत की रचना और संगीत निर्देशन जेकिव ने किया है। इनमें से एक गीत के बोल गार्गी भट्टाचार्य ने लिखे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराही गई लघु फिल्मों के निर्माण के बाद बोरलुइत प्रोडक्शंस अब *डिफोलु* के साथ फीचर फिल्म निर्माण के क्षेत्र में कदम रख रहा है। फिल्म में असम के कई अनुभवी और लोकप्रिय कलाकार नजर आएंगे। मुख्य भूमिकाओं में अमृता गोगोई और सुब्रत देउरी हैं। इनके अलावा फिल्म में मृदुला बरुवा, अरुण नाथ, अरुण हजारिका, पूर्णदा हजारिका, राजीव दुवरी, ज्योतिष्मान बोरा, कनिका नाथ, अनिर्बान कलिता, अंकुर बैद्य, डॉ. हितेश बरुवा, सीमाश्री बोरा, प्रियान्शी काश्यप और दिव्यप्रतिम भागवती भी अभिनय कर रहे हैं। ट्रेलर लांच के साथ ही *डिफोलु* के प्रचार अभियान का अंतिम चरण भी शुरू हो गया है। फिल्म के निर्माता-निर्देशक और पूरी टीम इसकी रिलीज की तैयारियों में जुटी हुई है।

मांगुरमारी में भगवान बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा का शिलान्यास

कोकराझाड़ (विभास)। करम पूजा के पावन अवसर पर कोकराझाड़ जिले के मांगुरमारी में महान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की एक आदमकद प्रतिमा के निर्माण की आधारशिला रखी गई। आदिवासी वेलफेयर एंड डेवलपमेंट काउंसिल (एडब्ल्यूडीसी) के कार्यकारी सदस्य (ईएम) जागीर सोरेन ने मांगुरमारी पहुंचकर विधिवत इसका शिलान्यास किया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। क्षेत्र में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापित करने की इस ऐतिहासिक पहल के लिए स्थानीय जनता ने ईएम जागीर सोरेन के प्रति आभार जताया और उनका धन्यवाद किया। लगभग 10 लाख रुपये की लागत से बनने वाली इस प्रतिमा का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा किया जाएगा। कार्यकारी सदस्य जागीर सोरेन ने बताया कि निर्माण कार्य को तेजी से पूरा कर आगामी 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती (जनजातीय गौरव दिवस) के पावन अवसर पर इसका औपचारिक अनावरण किया जाएगा।

संपादकीय

जो आयोग चाहे, वो वोटर

करीब 98 वर्षीय लालकृष्ण आडवाणी देश के उपप्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री रहे हैं। वह नई दिल्ली से लोकसभा सांसद भी चुने गए थे। उन्हें, बेटी प्रतिभा और बहू को मतदाता सूची में शामिल करने पर सवाल हैं, लिहाजा उन्हें चुनाव आयोग ने नोटिस भेजा है। देश के मौजूदा विदेश मंत्री एस. जयशंकर, उनकी जापानी पत्नी और विदेश सचिव विक्रम मिसरी को भी नोटिस भेजे गए हैं। दिल्ली की मौजूदा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और 10 साल तक मुख्यमंत्री रहे अरविंद केजरीवाल के मतदाता होने पर भी चुनाव आयोग को संदेह है। बहरहाल मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का मामला किसी तरह निपटा लिया गया है, लेकिन केजरीवाल, उनके 85 वर्षीय माता-पिता, उनकी आईआरएस रहीं और सरकारी पेंशनधारी पत्नी और बेटे के दिल्ली में मतदाता होने पर आयोग के सवाल हैं, लिहाजा उन्हें नोटिस के जवाब देने ही पड़ेंगे। देश के कानून मंत्री रहे, चांदनी चौक के पूर्व सांसद, मौजूदा राज्यसभा सांसद एवं सर्वोच्च अदालत के प्रख्यात अधिवक्ता कपिल सिब्बल के मतदाता होने पर आयोग को क्या आपत्तियां हैं, कमोबेश हमारी समझ के बाहर है। यहां तक कि मौजूदा चुनाव आयुक्त ज्ञानेश एसएस संधू, जो मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता के समकक्ष ही हैं, को भी नोटिस भेजा गया है कि उनके नाम की स्पेलिंग (वर्तनी) 2002 के रिकॉर्ड से मेल नहीं खाती, लिहाजा वह स्पष्ट करें। बेहद हास्यास्पद है कि सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद, थलसेना प्रमुख रहे जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, सर्वोच्च अदालत की न्यायाधीश रहीं जस्टिस रंजना देसाई, सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडे और केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला आदि विशिष्ट चेहरों को भी चुनाव आयोग ने नोटिस भेजे हैं, तो आम मतदाता की कराहें, चीखें, गुहार कौन सुनेगा? कैग प्रमुख के. संजय मूर्ति के माता-पिता का नाम भी नहीं हैं। बेशक चुनाव आयोग द्वारा नोटिस भेजना एक सामान्य प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन हमारा पक्का यकीन है कि अंततः इन सभी नामों को दिल्ली की मतदाता-सूची में जोड़ा जाएगा। क्या चुनाव आयोग अपनी नालायकी पर माफी मांगेगा? दरअसल हमारा बुनियादी और गंभीर सवाल 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) के प्रारूप पर है। यह अभियान चलाने वाले अधिकारियों की मेधा, सामान्य बुद्धि, पर भी तरस आता है। ज्ञानेश कुमार भी सामूहिक तौर पर 'खलनायक' हैं। क्या संविधान के अनुच्छेद 324 और 325 में चुनाव आयोग को यही विशेष शक्तियां दी गई हैं कि मतदाता वही होगा, जिसे चुनाव आयोग चाहेगा? लेकिन अनुच्छेद 326 में यह प्रावधान भी है कि देश का प्रत्येक 18 वर्षीय वयस्क नागरिक 'अधिकृत मतदाता' होगा। यह मताधिकार क्यों छीना जा रहा है? एसआईआर के तहत करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम अभी तक काटे जा चुके हैं। उनके अलग-अलग कारण हो सकते हैं। लोग 'दिवंगत' भी हुए होंगे, तो नए मतदाता भी जुड़े होंगे! मताधिकार गंवाने वालों की यह कोई सामान्य संख्या नहीं है और एसआईआर अभी जारी है। यह सवाल लगातार अनुत्तरित क्यों है कि आयोग काटे गए नामों का खुलासा, वर्गीकरण समेत, सर्वोच्च अदालत को दे और वहां से देश को अवगत कराया जाए। ज्ञानेश कुमार गुप्ता संविधान के भी 'सुप्रीम' नहीं हैं।

दिल्ली की मौजूदा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और 10 साल तक मुख्यमंत्री रहे अरविंद केजरीवाल के मतदाता होने पर भी चुनाव आयोग को संदेह है। बहरहाल मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का मामला किसी तरह निपटा लिया गया है, लेकिन केजरीवाल, उनके 85 वर्षीय माता-पिता, उनकी आईआरएस रहीं और सरकारी पेंशनधारी पत्नी और बेटे के दिल्ली में मतदाता होने पर आयोग के सवाल हैं, लिहाजा उन्हें नोटिस के जवाब देने ही पड़ेंगे। देश के कानून मंत्री रहे, चांदनी चौक के पूर्व सांसद, मौजूदा राज्यसभा सांसद एवं सर्वोच्च अदालत के प्रख्यात अधिवक्ता कपिल सिब्बल के मतदाता होने पर आयोग को क्या आपत्तियां हैं, कमोबेश हमारी समझ के बाहर है। यहां तक कि मौजूदा चुनाव आयुक्त एसएस संधू, जो मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता के समकक्ष ही हैं, को भी नोटिस भेजा गया है कि उनके नाम की स्पेलिंग (वर्तनी) 2002 के रिकॉर्ड से मेल नहीं खाती, लिहाजा उन्हें स्पष्ट करें। बेहद हास्यास्पद है कि सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद, थलसेना प्रमुख रहे जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, सर्वोच्च अदालत की न्यायाधीश रहीं जस्टिस रंजना देसाई, सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडे और केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला आदि विशिष्ट चेहरों को भी चुनाव आयोग ने नोटिस भेजे हैं, तो आम मतदाता की कराहें, चीखें, गुहार कौन सुनेगा? कैग प्रमुख के. संजय मूर्ति के माता-पिता का नाम भी नहीं हैं।

संविधान के तहत ही उन्हें इस पद का दायित्व और विशेषाधिकार दिए गए हैं। दरअसल हमने जिन अति विशिष्ट चेहरों का उल्लेख किया है, उन्हें निर्वाचित भी घोषित किया जा चुका है और यह काम आयोग ने ही किया और ये लोग दशकों से मतदाता भी रहे हैं। आडवाणी और केजरीवाल के माता-पिता की जो उम्र है, उसके मुताबिक वे 60-70 साल से मतदान कर रहे होंगे, अचानक उस पर सवाल किए जा रहे हैं! क्या अब मतदाता की परिभाषा बदल गई है और वे 2002 की मतदाता-सूची के आधार पर ही तय किए जाएंगे? यह कोई 'ब्रह्म-ग्रंथ' है क्या? यह पुनरीक्षण उसी आधार पर किया जाना चाहिए, जो मतदाता ने फॉर्म भरा है। मतदाता ही अपने बारे में ब्यौरा देने को स्वतंत्र और अधिकृत है। 2002 में कोई गलती रह गई होगी, तो उसके आधार पर आप किसी का मताधिकार छीन लेंगे? माता-पिता का नाम देने की स्वतंत्रता भी मतदाता की होनी चाहिए और उनका मिलान करना ही गलत है। यह अधिकार केंद्रीय सरकार का होना चाहिए। कोई मतदाता किसी काम से या व्यवसाय के कारण अथवा पारिवारिक कारणों से स्थानांतरित हो गया है, तो उसे फोन कर पुष्टि करनी चाहिए और फिर आयोग कोई अंतिम निर्णय ले। अराजकता खत्म होनी चाहिए। आयोग की इस प्रक्रिया के कारण आम आदमी ही नहीं, बल्कि खास लोगों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आयोग का कत्तव्य नागरिकों को सुविधाएं उपलब्ध करवाना है, न कि उन्हें परेशान करना।

भारतीय संस्कृति में दीपक का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है

दीपक की लौ और हमारी सांस्कृतिक संवेदना

घर, मंदिर और अनेक शुभ अवसरों पर दीप प्रज्ज्वलित करने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। संध्या समय दीप जलाने की परंपरा भी अनेक भारतीय परिवारों में आज तक दिखाई देती है। इसलिए किसी के लिए दीप केवल तेल, बाती और मिट्टी से बनी वस्तु नहीं है; वह श्रद्धा, शुभता, ज्ञान और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक भी है। इसी भाव को संस्कृत की प्रसिद्ध प्रार्थना में व्यक्त किया गया है— "दीपो ज्योति : परं ब्रह्म, दीपो ज्योतिर्जनार्दन : । दीपो हरतु मे पापं, संध्यादीप नमोऽस्तुते ॥" अर्थात दीपक की ज्योति को परम प्रकाश के रूप में नमन किया गया है और उससे अज्ञान तथा नकारात्मकता दूर होने की कामना की गई है। यही कारण है कि किसी सनातनी परिवार में दीप प्रज्ज्वलित होना केवल एक सामान्य घरेलू गतिविधि नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से जुड़ा संस्कार हो सकता है।

आप दीप जलाते हैं या नहीं जलाते, यह आपका व्यक्तिगत निर्णय है। किसी धार्मिक परंपरा को मानना, उससे दूरी रखना या अपने तरीके से उसका पालन करना—लोकतांत्रिक समाज में यह व्यक्ति की स्वतंत्रता का विषय है। लेकिन जब व्यक्तिगत पसंद या राजनीतिक असहमति की अभिव्यक्ति किसी धार्मिक प्रतीक और सांस्कृतिक परंपरा के सार्वजनिक उपहास तक पहुँच जाती है, तब सवाल केवल एक दीपक का नहीं रह जाता। सवाल यह होता है कि असहमति जताते समय हम दूसरों की आस्था और सांस्कृतिक संवेदनाओं का कितना सम्मान करते हैं। भारतीय संस्कृति में दीपक का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। दीपावली का पूरा भाव ही प्रकाश, आशा और अंधकार पर प्रकाश की विजय से जुड़ा है। घर, मंदिर और अनेक शुभ अवसरों पर दीप प्रज्ज्वलित करने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। संध्या समय दीप जलाने की परंपरा भी अनेक भारतीय परिवारों में आज तक दिखाई देती है। इसलिए किसी के लिए दीप केवल तेल, बाती और मिट्टी से बनी वस्तु नहीं है; वह श्रद्धा, शुभता, ज्ञान और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक भी है। इसी भाव को संस्कृत की प्रसिद्ध प्रार्थना में व्यक्त किया गया है— "दीपो ज्योतिः परं ब्रह्म, दीपो ज्योतिर्जनार्दनः। दीपो हरतु मे पापं, संध्यादीप नमोऽस्तुते॥" अर्थात दीपक की ज्योति को परम प्रकाश के रूप में नमन किया गया है और उससे अज्ञान तथा नकारात्मकता दूर होने की कामना की गई है। यही कारण है कि किसी सनातनी परिवार में दीप प्रज्ज्वलित होना केवल एक सामान्य घरेलू गतिविधि नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से जुड़ा संस्कार हो सकता है। इसलिए दीप जलाना किसी पर थोपा नहीं जाना चाहिए, लेकिन दीप जलाने वाले व्यक्ति की आस्था का मजाक उड़ाना भी उचित नहीं माना जाना चाहिए। व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अर्थ केवल अपनी पसंद की स्वतंत्रता नहीं, बल्कि दूसरे की पसंद और आस्था के सम्मान की जिम्मेदारी भी है। इसी के साथ यह भी महत्वपूर्ण है कि जब किसी धार्मिक प्रतीक को किसी राजनीतिक आयोजन से जोड़ दिया जाता

है, तो उस आयोजन पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कोई व्यक्ति यह पूछ सकता है कि सार्वजनिक संस्थानों में किसी राजनीतिक कार्यक्रम की भूमिका क्या होनी चाहिए, उसमें भागीदारी स्वैच्छिक है या नहीं और सरकारी संसाधनों का उपयोग किस सीमा तक उचित है। यहीं राजनीतिक आयोजन की आलोचना और सांस्कृतिक प्रतीक के अपमान के बीच अंतर करना जरूरी हो जाता है। यदि किसी कार्यक्रम में दीप जलाने को लेकर आपत्ति है, तो सवाल कार्यक्रम की राजनीतिक प्रकृति, प्रशासनिक भूमिका, खर्च या सहभागिता के तरीके पर होना चाहिए। स्वयं दीपक, पूजा या सनातन परंपरा को निशाना बनाना बहस को दूसरी दिशा में ले जाता है। इसी तरह, यदि कोई व्यक्ति राजनीतिक आयोजन का विरोध करता है, तो केवल इस आधार पर उसे भारतीय संस्कृति या धर्म-विरोधी कहना भी उचित नहीं होगा। आज सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का मंच दिया है। इसके साथ एक समस्या भी आई है—व्यंग्य और आलोचना के बीच की सीमा कई बार धुंधली हो जाती है। कुछ शब्द या चित्र कुछ लोगों को सामान्य राजनीतिक व्यंग्य लग सकते हैं, लेकिन वही सामग्री किसी दूसरे व्यक्ति के लिए उसकी आस्था का अपमान महसूस हो सकती है। इसलिए सोशल मीडिया की स्वतंत्रता के साथ सामाजिक संवेदनशीलता भी जरूरी है। जन्मदिन पर मोमबत्ती बुझाने की परंपरा का उदाहरण भी इसी संदर्भ में सामने आता है। आज जन्मदिन के अवसर पर केक काटना और मोमबत्तियां बुझाना व्यापक रूप से प्रचलित है। दूसरी ओर, भारतीय धार्मिक परंपरा में दीपक को शुभता और प्रकाश का प्रतीक मानने वाले लोग इसे अलग दृष्टि से देखते हैं। दोनों परंपराओं के सांस्कृतिक संदर्भ अलग हैं। इसलिए किसी एक को अपनाने या दूसरे से दूरी रखने को अपने आप में किसी व्यक्ति की देशभक्ति या संस्कृति के प्रति निष्ठा का प्रमाण नहीं बनाया जाना चाहिए। फिर भी एक विचारणीय प्रश्न अवश्य है—क्या हम अपनी संस्कृति से जुड़े प्रतीकों के प्रति उतने ही संवेदनशील हैं, जितनी संवेदनशीलता हम दूसरे सांस्कृतिक प्रतीकों के लिए अपेक्षित करते हैं? यदि कोई व्यक्ति दीपावली पर दीप नहीं जलाना चाहता, उसे ऐसा करने की स्वतंत्रता है। लेकिन यदि कोई दूसरा व्यक्ति पूरे श्रद्धाभाव से दीप जलाता है, तो उसकी आस्था का उपहास क्यों किया जाए? इसी तरह यदि कोई व्यक्ति किसी राजनीतिक कार्यक्रम में दीप जलाकर सहभागिता करता है, तो उसकी आलोचना कार्यक्रम के राजनीतिक पक्ष पर होनी चाहिए, उसकी धार्मिक आस्था पर नहीं। राजनीतिक बहस में पूर्व प्रधानमंत्रियों या दूसरे नेताओं के जन्मदिन समारोहों और कथित सरकारी खर्चों के उदाहरण भी दिए जाते हैं। ऐसे आरोपों को प्रमाणित करने के लिए संबंधित वर्ष, खर्च और आधिकारिक दस्तावेज सामने रखना आवश्यक है। बिना प्रमाण किसी व्यक्ति या पूर्व सरकार पर सार्वजनिक धन के दुरुपयोग का आरोप लगाना उचित नहीं है। आज की राजनीतिक बहस को मजबूत करने के लिए तथ्य चाहिए, केवल पुराने आरोप नहीं। वास्तविक प्रश्न कुछ रुपये के तेल और बाती का नहीं है। वास्तविक प्रश्न यह है कि सार्वजनिक जीवन में हमारी प्राथमिकताएं क्या हों और हमारी भाषा कैसी हो। क्या राजनीतिक मतभेद इतने तीखे हो जाएँ कि सांस्कृतिक प्रतीक भी निशाने पर आ जाएँ? क्या धार्मिक आस्था को राजनीतिक समर्थन का पर्याय मान लेना सही है? क्या दीप जलाने वाला व्यक्ति अनिवार्य रूप से किसी राजनीतिक विचार का समर्थक है? और क्या दीप न जलाने वाला व्यक्ति स्वतः संस्कृति-विरोधी है? इन प्रश्नों का उत्तर यही है कि व्यक्ति की आस्था और राजनीतिक पसंद को अलग-अलग समझना होगा। दीपक किसी के लिए पूजा है, किसी के लिए परंपरा, किसी के लिए संस्कृति और किसी के लिए केवल प्रकाश। उसकी व्याख्या अलग हो सकती है, लेकिन उसका अपमान किए बिना असहमति व्यक्त करना संभव है। हमारी संस्कृति की शक्ति केवल इस बात में नहीं कि हम दीप जलाते हैं; उसकी शक्ति इस बात में भी है कि हम विविध विचारों के बीच संवाद बनाए रखते हैं। दीप की लौ अंधकार को दूर करती है—उसी तरह विवेक, संयम और तथ्य सार्वजनिक बहस के अंधकार को दूर कर सकते हैं। इसलिए दीप जलाइए या न जलाइए, यह आपका निर्णय है। किसी राजनीतिक आयोजन का समर्थन कीजिए या विरोध, यह भी आपका अधिकार है। लेकिन आस्था पर व्यंग्य करने से पहले और विरोध करते समय दूसरे की संवेदनाओं को चोट पहुँचाने से पहले इतना जरूर सोचिए—असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, पर सम्मान उसकी मर्यादा।

देश दुनीया से

योगी की पाती और बदलते यूपी का सपना

कभी उत्तर प्रदेश की पहचान उसके सामर्थ्य से नहीं, उसकी बदहाली से होती थी। अब उसी प्रदेश की पहचान बदलने का दावा है। योगी आदित्यनाथ की पाती इसी बदलाव का खाका सामने रखती है—बीमारू से आर्थिक शक्ति और अवसरों के केंद्र तक पहुंचने का। 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में होने वाला चौथा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो इस दावे को दुनिया के सामने रखने का बड़ा मंच है। यह महज व्यापारिक प्रदर्शनी नहीं, नौ वर्षों की विकास-यात्रा का प्रदर्शन भी है। एमएसएमई और ओडीओपी जैसी योजनाओं से चार करोड़ से अधिक रोजगार अवसरों का दावा, बढ़ता निर्यात तथा निवेश इस परिवर्तन के आधार के रूप में रखे गए हैं। लेकिन असली सवाल यहीं से शुरू होता है—इन आंकड़ों की चमक जमीन पर कितनी बदली हुई जिंदगी में दिखाई देती है। जिस प्रदेश का नाम कभी पिछड़ेपन, बेरोजगारी और पलायन से जुड़ा था, वही अब अपनी आर्थिक पहचान बदलने की कोशिश में है। विशाल आबादी, कमजोर औद्योगिक आधार, सीमित अवसर और कानून-व्यवस्था की पुरानी छवि ने लंबे समय तक यूपी को 'बीमारू' बनाए रखा। अब सरकार इस तस्वीर को बदलकर 'उत्सव प्रदेश' की पहचान गढ़ने का दावा कर रही है। इसकी बुनियाद बड़े आयोजनों से अधिक स्थानीय हुनर को बाजार से जोड़ने में है। 'एक जनपद एक उत्पाद' ने काशी की रेशमकारी, मुरादाबाद के पीतल और अलीगढ़ के तालों जैसे पारंपरिक उत्पादों को बाजार दिया। अब 'एक जनपद एक व्यंजन' इसी सोच को स्वाद और संस्कृति तक ले जा रहा है। लक्ष्य है—स्थानीय पहचान को बाजार की ताकत और वैश्विक पहचान में बदलना। यूपी

इंटरनेशनल ट्रेड शो स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने की अगली कड़ी है। इस बार जापान, वियतनाम, रूस, सिंगापुर, ऑस्ट्रिया और बेलारूस साझेदार देश हैं। करीब 72 देशों से 600 अंतरराष्ट्रीय खरीदार और 2,400 से अधिक प्रदर्शक जुटेंगे। लेकिन सफलता भीड़ या भव्यता से नहीं, कारोबार से तय होगी—विदेशी खरीदार उत्पाद पसंद करने के साथ ऑर्डर दे, दोबारा लौटे और स्थानीय उद्यमी उत्पादन बढ़ाए, तभी यह आयोजन आर्थिक सफलता बनेगा। उत्तर प्रदेश के सामने अब 'वोकल फॉर लोकल' को वैश्विक सप्लाई चेन से जोड़ने की चुनौती है। इसके लिए कारीगर को डिजाइन, पूंजी, तकनीक, गुणवत्ता, पैकेजिंग और निर्यात की समग्र व्यवस्था देनी होगी। विकास की सबसे बड़ी कसौटी रोजगार है। सरकार पिछले नौ वर्षों में साढ़े नौ लाख सरकारी नियुक्तियों और अगले छह महीनों में एक लाख और नियुक्तियों की बात करती है। एमएसएमई और ओडीओपी से चार करोड़ से अधिक रोजगार अवसरों का दावा भी इसी तस्वीर का हिस्सा है। युवाओं से नौकरी मांगने के बजाय नौकरी देने वाला बनने को कहा जा रहा है। लेकिन उद्यमिता के लिए बैंक ऋण, बाजार, कौशल, तकनीक, बिजली, सरल नियम और कारोबारी भरोसा जरूरी हैं। चार करोड़ अवसरों की असली तस्वीर तभी सामने आएगी, जब पता चले कि कितने स्थायी हैं, कितनों से पर्याप्त आय हो रही है और कितने युवाओं का रोजगार के लिए प्रदेश से बाहर जाना घटा है। यूपी का सपना तभी मजबूत होगा, जब युवा अपना भविष्य इसी प्रदेश में देख सके। एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य तभी सार्थक है, जब यूपी की संभावनाएं जमीन पर आर्थिक गतिविधि में बदलें। प्रदेश के पास बड़ा बाजार, श्रमशक्ति, कृषि, उद्योग और घरेलू मांग है। एक्सप्रेसवे, औद्योगिक गलियारे, रक्षा उत्पादन, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, पर्यटन, कृषि-प्रसंस्करण और एमएसएमई इसके विस्तार के आधार हैं। कानून-व्यवस्था में सुधार और बुनियादी ढांचा निवेश की जमीन तैयार करते हैं। लेकिन निवेश प्रस्ताव और वास्तविक निवेश अलग हैं। कागज पर दर्ज हजारों करोड़ रुपये तब तक अर्थव्यवस्था नहीं बनते, जब तक कारखाने न लगें, उत्पादन और रोजगार न बढ़े। योगी सरकार के विकास मॉडल की असली परीक्षा घोषणाओं और नतीजों के बीच की दूरी घटाने में है। विकास की यह तस्वीर राजनीतिक संदर्भ से अलग नहीं है। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले विकास, निवेश, कानून-व्यवस्था और बुनियादी ढांचे की उपलब्धियां स्वाभाविक रूप से राजनीतिक महत्व रखती हैं और सरकार उन्हें व्यापक विकास-वृत्तांत के रूप में प्रस्तुत कर रही है। लेकिन लोकतंत्र में उपलब्धि का अंतिम पैमाना प्रचार नहीं, नागरिक का अनुभव है। किसान की आय, महंगाई, रोजगार की गुणवत्ता, छोटे कारोबारी की स्थिति और गांव-कस्बों तथा बड़े शहरों के बीच अवसरों का अंतर ही असली सवाल हैं। नोएडा का चमकता मंच तभी पूरे यूपी की तस्वीर बनेगा, जब बलिया, बहराइच, बुंदेलखंड, मुरादाबाद और चित्रकूट का छोटा उद्यमी भी कह सके कि उसके कारोबार के अवसर सचमुच बदले हैं। उत्तर प्रदेश की ताकत केवल सरकारी योजनाओं में नहीं, उसकी विविध स्थानीय पहचान और सामाजिक-सांस्कृतिक पूंजी में भी है। ब्रज की संस्कृति, अवध का स्वाद, पूर्वांचल का श्रम, बुंदेलखंड की जीवटता और पश्चिमी यूपी की औद्योगिक क्षमता मिलकर एक बड़े आर्थिक प्रदेश की ताकत बनती हैं। इन्हें बाजार, पर्यटन और निर्यात से जोड़ने पर संस्कृति केवल विरासत नहीं रहती, आय का स्रोत बनती है। यही 'उत्सव प्रदेश' की सार्थकता है—उत्सव के पीछे उत्पादन, उत्पादन के पीछे बाजार और बाजार के साथ आम आदमी की बढ़ती आय।

आप का नजरीया

क्या रात का हिमाचल अलग है?

बेशक हिमाचल दिन के उजाले में प्रगति और प्रशंसा के कार्यों को तसदीक कर रहा है, लेकिन रात के अंधेरों से खौफ बढ़ रहा है। ऐसे में प्रश्न स्वाभाविक है, क्या रात का हिमाचल अलग है? क्या पाप का घड़ा रात को भर रहा है? रात के समय हिमाचल के बार्डर एरिया निरंकुश हो रहे हैं। जाहिर है रात और दिन की आर्थिकी के बीच एक आपराधिक तंत्र शिरकत कर रहा है। कुछ दिन पहले ऊना में रेत छानती मशीनें अगर अवैध खनन की दुकानदारी करते पकड़ी गईं, तो अब नूरपुर क्षेत्र में पकड़ी गई दो जेसीबी, एक ट्रैक्टर और पांच मल्टीएक्सल टिप्परों की मेहनत पर चढ़ा अवैधा धंधा, चक्की खड्ड को कुख्यात कर रहा था। इसी दौरान ज्वालामुखी में चार ट्रैक्टर ट्रालियां रात के अंधेरे में अवैध खनन करती पकड़ी गईं, तो यह भूत अब डराने लगा है। हिमाचल में रात के महीने बदल जाते हैं और वर्ष का कैलेंडर उत्पाती होने लगा है। परिवहन विभाग के धर्मशाला स्थित उडनदस्ते ने पांच महीने में निजी वोल्वो बसों के अवैध चालन के लिए 76 चालान करते हुए पंद्रह लाख वसूले, तो यहां रात को जल रहा ईंधन कसूरवार निकला। हिमाचल की रात में परिवहन की माकूल चौकसी न होने के कारण आपराधिक तंत्र दौडने लगा है। आश्चर्य यह कि देखते-देखते निजी बसों की रात्रि खेप इतनी बड़ी हो गई कि हिमाचल परिवहन निगम का बस संचालन छोटा पड़ गया। निजी वोल्वो बसें केवल यात्रियों की छीना झपटी नहीं कर रहीं, बल्कि सामान ढोने के दरवाजे भी खोल चुकी हैं। जिस चिट्टे या नशे के खिलाफ हिमाचल दिन में रैलियां निकाल रहा है, उसकी खेप रात को साम्राज्य बना कर निरंतर पहुंच रही है। सीमावर्ती क्षेत्रों में रात की निगरानी और संपूर्ण हिमाचल की ट्रैफिक पेट्रोलिंग के लिए अब इच्छाशक्ति सामने आनी चाहिए। बेशक रात को दिन समझ कर चलने वाले धंधों में इजाफा सुखद पहलू हो सकता है, लेकिन जहां अंधेरों को घायल करके दुनिया बसाई जा रही हो, उसे खत्म करना होगा। हैरानी यह कि हिमाचल में अतिक्रमण की चाल, रात के पहरों को गच्चा दे रही है। अब तो कचरे और मलबे से भरे वाहन रात को यहां वहां उडेले जा रहे हैं और यह शहरों की परिक्रमा में होने लगा है। हिमाचल की सडकों पर वाहनों की पार्किंग बताती है कि रात को शहर किसी व्यवस्था के पाबंद नहीं। बाजारों का कूड़ा-कचरा दुकानों के बाहर निकलता है, तो यह संकेत है कि व्यापार मंडल सिर्फ दिन की व्यवस्था में काम करते हैं। ऐसे में अब हिमाचल की रात्रि व्यवस्था में कानून के पहरावे बढ़ाने होंगे। रात्रि पुलिस व्यवस्था के तहत बार्डर एरिया अगर सतर्क रहें, तो अवैध धंधों की कोई खेप हिमाचल में प्रवेश नहीं कर पाएगी। रात्रि परिवहन को आसान बनाने के साथ-साथ माकूल पुलिस पेट्रोलिंग व्यवस्था का दायरा बढ़ाना होगा। हिमाचल में अगर पर्यटन उद्योग की अहमियत और बढ़ानी है, तो इसके रात्रि कदमों पर चौकस निगाह होनी चाहिए। वैसे भी अब पर्यटन की संभावनाओं ने हाई वे टूरिज्म को दिन-रात सक्रिय किया है, तो एक आश्वासन राज्य को भी देना है कि यहां चौबीस घंटे व्यवस्था काम करती है। इसके लिए सीसीटीवी के माध्यम से व्यापक कवरेज, सुरक्षित पार्किंग, दिन-रात की सुरक्षा के लिए बहुस्तरीय प्रणाली तथा आपातकालीन सेवाओं में सुधार करने की गुंजाइश है, जबकि शहरों में सुरक्षा गार्डों का इंतजाम करना होगा।

जाहिर है रात और दिन की आर्थिकी के बीच एक आपराधिक तंत्र शिरकत कर रहा है। कुछ दिन पहले ऊना में रेत छानती मशीनें अगर अवैध खनन की दुकानदारी करते पकड़ी गई, तो अब नूरपुर क्षेत्र में पकड़ी गई दो जेसीबी, एक ट्रैक्टर और पांच मल्टीएक्सल टिप्परों की मेहनत पर चढ़ा अवैधा धंधा, चक्की खड्ड को कुख्यात कर रहा था। इसी दौरान ज्वालामुखी में चार ट्रैक्टर ट्रालियां रात के अंधेरे में अवैध खनन करती पकड़ी गईं, तो यह भूत अब डराने लगा है। हिमाचल में रात के महीने बदल जाते हैं और वर्ष का कैलेंडर उत्पाती होने लगा है। परिवहन विभाग के धर्मशाला स्थित उडनदस्ते ने पांच महीने में निजी वोल्वो बसों के अवैध चालन के लिए 76 चालान करते हुए पंद्रह लाख वसूले, तो यहां रात को जल रहा ईंधन कसूरवार निकला। हिमाचल की रात में परिवहन की माकूल चौकसी न होने के कारण आपराधिक तंत्र दौडने लगा है। आश्वर्य यह कि देखते-देखते निजी बसों की रात्रि खेप इतनी बड़ी हो गई कि हिमाचल परिवहन निगम का बस संचालन छोटा पड़ गया। निजी वोल्वो बसें केवल यात्रियों की छीना झपटी नहीं कर रहीं, बल्कि सामान ढोने के दरवाजे भी खोल चुकी हैं। जिस चिट्टे या नशे के खिलाफ हिमाचल दिन में रैलियां निकाल रहा है, उसकी खेप रात को साम्राज्य बना कर निरंतर पहुंच रही है। सीमावर्ती क्षेत्रों में रात की निगरानी और संपूर्ण हिमाचल की ट्रैफिक पेट्रोलिंग के लिए अब इच्छाशक्ति सामने आनी चाहिए।

कुछ अलग

महान दरार गणराज्य का जन्म

जिसे मनुष्य छिपने की जगह समझता है, कॉकरोच उसे सभ्यता कहता है।' मनुष्य के इतिहास में दीवारें पहले बनीं और संविधान बाद में। कॉकरोचों के इतिहास में पहले दरारें बनीं, फिर समुदाय। शायद इसी कारण उनका संविधान कभी लिखा नहीं गया। वह जीवित रहा, पीढ़ी दर पीढ़ी शब्दों से नहीं, व्यवहार से। जहां नियम पुस्तकों में बंद हों, वहां नागरिक उन्हें पढ़ते हैं, जहां नियम व्यवहार में जीवित हों, वहां बच्चे उन्हें देखकर सीखते हैं। जब पहली दरार में कुछ परिवार रहते थे, तब नियमों की आवश्यकता नहीं थी। सब एक-दूसरे को जानते थे। भोजन साझा था और डर भी। जीवन छोटा था, इसलिए विवाद भी छोटे थे। किन्तु समय कभी स्थिर नहीं रहता। धीरे-धीरे परिवार बढ़े। नई पीढियां आईं। नई दरारें मिलीं। पुरानी दरारें टूटने लगीं। तब पहली बार सबसे वृद्ध कॉकरोच ने कहा, 'अब हमें नियम नहीं बनाने, केवल भूलें कम करनी होंगी।

दृष्टि कोण

विशेष स्कीम पर भारतवंशियों को भरोसा

आठ जून से भारतीय रिजर्व बैंक ने एक विशेष स्वैप स्कीम की शुरुआत की और बैंकों को यह सुविधा दी कि इस स्कीम के तहत भारतवंशी यानी विदेश में भारतीय मूल के लोगों द्वारा भारतीय बैंकों में विदेशी मुद्रा जमा (3 वर्ष से 5 वर्ष की अवधि के लिए) को वर्तमान मूल्य से रिजर्व बैंक से स्वैप कर पाएंगे। यानी जिस मूल्य पर आज बैंक रिजर्व बैंक के पास जमा करेंगे, परिपक्व होने पर उसी मूल्य पर वे रिजर्व बैंक से विदेशी मुद्रा प्राप्त कर पाएंगे। इस स्कीम से प्रोत्साहित होकर बैंकों ने भारतवंशियों की जमाएं 6 से 7 प्रतिशत की ब्याज दर पर स्वीकार की, जिन पर पूर्व में केवल तीन से चार प्रतिशत ही ब्याज दिया जाता था। इसका कारण यह था कि रुपए में डॉलर के मूल्य बढने के जोखिम के लिए बैंकों को पहले हेजिंग करवानी पड़ती थी। हेजिंग की लागत समय-समय पर बदलती रही है, लेकिन वर्तमान समय में यह तीन प्रतिशत के आसपास है। इन विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक खातों पर अधिक ब्याज और दूसरी ओर भारतीय अर्थव्यवस्था, सरकार और बैंकों पर भरोसा, इन सभी कारणों से भारतवंशियों ने मात्र 3 महीने से भी कम समय में 127.2 अरब डॉलर जमा कर इतिहास रचा है। गौरतलब है कि वर्ष 2013 में भी लगभग इसी प्रकार की स्कीम के अंतर्गत मात्र 34.3 अरब डॉलर एकत्र हुए थे, जिनमें 26 अरब डॉलर एफसीएनआर के रूप में प्राप्त हुए। 2013 में यह स्कीम 85 दिनों तक खुली रही थी और 2026 की स्कीम भी 85 दिन चली, लेकिन इन 85 दिनों में एफसीएनआर खातों में कुल जमा 127.2 अरब डॉलर प्राप्त हुए, जबकि कुल प्राप्तियां 136.4 अरब डॉलर

की रही। यानी 2026 में 2013 की तुलना में लगभग 4.9 गुना ज्यादा। हालांकि भारतीय रिजर्व बैंक की स्कीम इस बार काफी सफल रही और उसके परिणाम भी दिखने शुरू हो गए हैं। लेकिन आर्थिक जगत के कुछ लोगों द्वारा इस स्कीम की आलोचना भी की जा रही है। आलोचकों का कहना है कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंकों को हेजिंग लागत से मुक्त कर, वह भार स्वयं पर ले लिया है। जिसका खामियाजा रिजर्व बैंक को भविष्य में भुगतना पड़ेगा और जब ये जमाएं परिपक्व होंगी और डॉलर का मूल्य रुपयों में अधिक होगा तो नुकसान रिजर्व बैंक के लाभों को कम कर देगा। फलस्वरूप रिजर्व बैंक के लाभ कम होने से भारत सरकार की प्राप्तियां घट जाएंगी, जिससे बजट असंतुलन हो जाएगा।

क्यों सही नहीं हैं आलोचकों के तर्क : लोकतंत्र में नीतियों पर बहस एक स्वस्थ परंपरा है, लेकिन आलोचकों के तर्कों की सत्यता की पड़ताल भी उतनी ही जरूरी है, ताकि नीतियों को सही दिशा दी जा सके। रिजर्व बैंक की विशेष स्वैप स्कीम के लाभों पर चर्चा भी जरूरी है। फिर यह देखना होगा कि भविष्य में रिजर्व बैंक को इससे जिस संभावित नुकसान की चिंता की जा रही है, उसकी तुलना में इस योजना से कितना लाभ देश को होगा।

पूर्व में भी ऐसी स्कीम हुई थी सफल : वर्ष 2013 में भी जब देश विदेशी मुद्रा भंडार संकट से गुजर रहा था, भारतीय रिजर्व बैंक के लगभग इसी प्रकार की विशेष स्वैप स्कीम के माध्यम से मात्र 85 दिनों में ही 34.3 अरब डॉलर जुटाए थे, जिनमें 26 अरब डॉलर एफसीएनआर के माध्यम से आए थे। उस समय विदेशी विनिमय में भयंकर अनिश्चितता का माहौल था। इस स्कीम से पहले सामान्यतः करेंसी का जोखिम बैंकों को उठाना पड़ता था, इसलिए वे एफसीएनआर पर अत्यंत सीमित ब्याज दे पाते थे। 2013 की स्कीम के तहत रिजर्व बैंक ने बैंकों को यह गारंटी दी थी कि भविष्य में जब भी यह जमा 3 से 5 वर्ष के बीच परिपक्व होगी, रिजर्व बैंक उनसे 3.5 प्रतिशत वार्षिक ही वसूलेगा।

हरियाणा एटीएस ने अंतर्राष्ट्रीय नार्को टेरर में सात को किया गिरफ्तार

यूएस में बैठे आकाओं के इशारे पर करते थे काम, ड्रग मनी, नशा, हथियारों व आपतिजनक सामग्री की करते थे सप्लाई

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने अंतर्राष्ट्रीय नार्को-टेररिज्म नेटवर्क से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले का खुलासा करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे एवं निशानदेही पर अब तक एक एक्सयूवी गाड़ी, एक स्कॉर्पियो गाड़ी, एक मोटरसाइकिल, एक यूएस निर्मित पिस्टल, एक 30 बोर पिस्टल, 3 कैश काउंटिंग मशीन, 5 मोबाइल फोन, 12 जिंदा राउंड तथा 529 ग्राम चिट्टा हेरोइन बरामद की गई है। हरियाणा में एटीएस के गठन के बाद यह पहला मामला सुलझाया गया है। एटीएस के पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला ने मंगलवार को मुख्यालय में जानकारी देते हुए बताया कि 13 सितंबर की अलसुबह पंचकूला के सेक्टर-11 स्थित अलिफ लैला क्लब में फायरिंग की घटना सामने आई थी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए। फायरिंग की घटना में एक युवती घायल हुई थी, जिसका उपचार कराया गया। इस मामले की जांच के दौरान सामने आया कि पांच युवक दो अलग-अलग गाड़ियों में क्लब पहुंचे थे। क्लब में शराब पीने के दौरान किसी बात को लेकर उनका आपस में विवाद हो गया, जिसके बाद एक आरोपी ने गाड़ी से पिस्तौल निकालकर

दो राउंड फायर कर दिए, जिससे एक युवती घायल हो गई। घायलों को तुरंत अस्पताल भर्ती करवाया गया। एसपी ने बताया कि इस मामले में अब तक कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें तीन आरोपियों को घटना के समय मौके से ही काबू किया गया, एक अन्य आरोपी को एसएएस नगर से तथा तीन आरोपियों को लुधियाना से गिरफ्तार किया गया है। शुरुआत में हुई गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर एक कैश काउंटिंग मशीन भी बरामद की गई। पूछताछ और तकनीकी जांच में आरोपियों के अंतर्राष्ट्रीय नार्को-टेरर नेटवर्क से जुड़े होने के महत्वपूर्ण साक्ष्य सामने आए। जांच में सामने आया कि इस नेटवर्क के कुछ हैंडलर विदेश, विशेषकर अमेरिका में बैठे हैं, जो आरोपियों को रहने की जगह , वाहन और रूपये उपलब्ध करवाते है ताकि हथियार और नशीले पदार्थों एवं ड्रग्स मनी को हैंडलर द्वारा दी गई लोकेशन पर तस्करी कर सके। इसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड को स्थानांतरित की गई। तकनीकी जांच के आधार पर फायरिंग करने वाले एक आरोपी को 15 सितंबर को गिरफ्तार किया गया। जांच के आधार पर नेटवर्क में इंटरमीडियरी की भूमिका निभाने वाले एक आरोपी को 19 सितंबर को लुधियाना से गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी की निशानदेही पर एक सुनसान स्थान पर अपनी मोटरसाइकिल में छिपाकर रखी गई 529 ग्राम चिट्टा हेरोइन की खेप बरामद की गई। इसके अलावा आरोपी के अड्डे से तलाशी के दौरान एक 30 बोर पिस्टल, 3 लाइव राउंड तथा कैश काउंटिंग मशीन भी बरामद की गई। बरामद मादक पदार्थ के संबंध में एटीएस द्वारा अलग से मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई है। एसपी वरुण सिंगला ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी एक अंतर्राष्ट्रीय नार्को-टेरर नेटवर्क के लिए काम कर रहे थे। यह नेटवर्क सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से पहुंचने वाली मादक पदार्थों की खेप, हथियारों तथा अन्य आपत्तिजनक सामग्री को निर्धारित ठिकानों तक पहुंचाने के लिए स्थानीय हैंडलरों का इस्तेमाल करता था। नेटवर्क से जुड़े लोगों को इसके लिए वाहन और धनराशि उपलब्ध कराई जाती थी। उन्होंने बताया कि एटीएस द्वारा पूरे नेटवर्क की सप्लाई चेन, फाइनेंशियल ट्रेल, हथियारों एवं मादक पदार्थों के स्रोत तथा विदेशों में बैठे हैंडलरों से संपर्क की गहनता से जांच की जा रही है। आरोपियों के मोबाइल फोन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया जा रहा है।

भारत-पाकिस्तान सीमा के पास खालड़ा क्षेत्र से हथियार बरामद

तरनतारन (हिंस)। भारत-पाकिस्तान सीमा के नजदीक खालड़ा क्षेत्र में मंगलवार को बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर हथियारों की खेप बरामद की। तलाशी के दौरान 2 पिस्तौल, 2 खाली मैगजीन और 50 जिंदा कारतूस मिले हैं। डीएसपी भिखीविंड अतुल सोनी ने बताया कि खालड़ा पुलिस और बीएसएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि गांव डल में शेर सिंह के खेतों में तीन पीले रंग के संदिग्ध पैकेट पड़े हैं। सूचना के आधार पर क्षेत्र में संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया। इस दौरान खेतों से तीनों पैकेट बरामद किए गए। जांच करने पर इनमें से 2 पिस्तौल, 2 खाली मैगजीन और 50 जिंदा कारतूस मिले। पुलिस ने बरामद हथियारों को कब्जे में लेकर खालड़ा थाने में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। अब यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि हथियारों की यह खेप कहां से आई और इसे किस व्यक्ति या नेटवर्क तक पहुंचाया जाना था। मामले में आगे की जांच जारी है।

बकाया डीए मामले में पंजाब के मुख्य सचिव तलब

पांच अक्तूबर को हाई-कोर्ट में होगी सुनवाई

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार के कर्मचारियों और पेंशनरों के बकाया महंगाई भत्ते (डीए/डीआर) के भुगतान के मामले में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पंजाब के मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से तलब किया। अदालत ने सरकार से पूछा कि 3 अगस्त को 15 दिन के भीतर बकाया डीए/डीआर जारी करने के दिए गए आदेश पर अब तक क्या कार्रवाई हुई। मामले की अगली सुनवाई 5 अक्तूबर को होगी। उच्च न्यायालय की डिवीजन बेंच ने तीन अगस्त को पंजाब सरकार और पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) की अपीलें खारिज करते हुए कर्मचारियों और पेंशनरों को लंबित डीए/डीआर की सभी किस्तें दो सप्ताह के भीतर जारी करने का निर्देश दिया था। अदालत ने मुख्य सचिव को आदेश के अनुपालन की रिपोर्ट भी दाखिल करने को कहा था। बकाया राशि का निर्धारित अवधि में भुगतान नहीं होने पर छह प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज का भी प्रावधान किया गया था। मंगलवार की सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से बताया गया कि उच्च न्यायालय के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई है। राज्य सरकार ने शीर्ष अदालत के समक्ष करीब 14, 191 करोड़ रुपए की देनदारी का उल्लेख करते हुए कम समय में पूरी राशि का भुगतान वित्तीय और प्रशासनिक कारणों से कठिन बताया है। 14, 191 करोड़ रुपए की देनदारी का आंकड़ा पहले से चल रहे चरणबद्ध भुगतान संबंधी सरकारी प्रावधानों में भी दर्ज है। उच्च न्यायालय के तीन अगस्त के आदेश में स्पष्ट किया गया था कि पंजाब सरकार और पीएसपीसीएल को कर्मचारियों एवं पेंशनरों की सभी लंबित डीए/डीआर किस्तें केंद्र सरकार के पैटर्न के अनुरूप जारी करनी होंगी। अदालत ने यह भी निर्देश दिया था कि बकाया भुगतान होने तक राज्य बड़े पैमाने पर विज्ञापन जैसे गैर-उत्पादक खर्चों से बचे।

खाने-पीने की चीजों में मिलावट की जांच सिर्फ 20 रुपए में करवा सकेंगे

हरियाणा में जांच के लिए पांच मोबाइल फूड सेफ्टी वैन तैनात

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में अब लोग रोजमर्रा की खाने-पीने की चीजों में मिलावट की जांच सिर्फ 20 रुपए में करवा सकेंगे और शुरुआती नतीजे 10 से 12 मिनट में मिल जाएंगे। इसके लिए *फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया* की तरफ से दी गई पांच मोबाइल फूड सेफ्टी वैन पूरे राज्य में तैनात की गई हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने मंगलवार को बताया कि यह मोबाइल लैब खाने-पीने की चीजों की जांच सीधे सार्वजनिक जगहों, बाजारों और शिक्षण संस्थानों तक ले जाएंगी। इससे मौके पर ही जांच के साथ-साथ लोगों में जागरूकता भी बढ़ेगी और असुरक्षित खाने के खिलाफ कार्रवाई भी हो सकेगी। *फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया,* नई दिल्ली की तरफ से दी गई यह पांच वैन हरियाणा में बस स्टैंड, स्कूल, कॉलेज, बाजार और ज्यादा भीड़-भाड़ वाली जगहों पर बारी-बारी से तैनात की जा रही हैं। आम नागरिक दूध, मसाले, दाल और खाने के तेल जैसी आम चीजों के सैंपल शुरुआती जांच के लिए ला सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि हर सैंपल के लिए 20 रुपए की मामूली फीस ली जाएगी और शुरुआती जांच का नतीजा आम तौर पर 10 से 12 मिनट में मिल जाएगा। ये मोबाइल यूनिट मेलों, त्योहारों और दूसरे बड़े सार्वजनिक आयोजनों के दौरान भी काम आएंगी, जहां बड़ी संख्या में खाने-पीने के अस्थायी स्टॉल और वेंडर काम करते हैं। फूड सेफ्टी ऑफिसर रैंडम सैंपल ले सकेंगे और मौके पर ही शुरुआती जांच कर सकेंगे। अगर कोई सैंपल संदिग्ध पाया जाता है या शुरुआती जांच में फेल हो जाता है, तो अधिकारी तय नियमों के मुताबिक आगे की कार्रवाई करेंगे। डॉ.मिश्रा ने बताया कि उक्त जांच के अलावा, वैन के साथ जाने वाले फूड सेफ्टी ऑफिसर और तकनीकी कर्मचारी खाने में मिलावट, फोर्टिफाइड फूड, न्यूट्रिशन लेबल, साफ-सुथरे तरीके से खाना रखने और मिलावट या खराब होने के आम संकेतों को पहचानने के तरीकों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम भी चलाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि मोबाइल वैन फूड-सेफ्टी की निगरानी का दायरा बढ़ाने में खास तौर पर मददगार होंगी। इनसे अधिकारी बाजारों, संस्थानों और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर शुरुआती टेस्टिंग कर पाएंगे और साथ ही नागरिकों को तेजी से और कम खर्च में टेस्टिंग की सुविधा भी मिल सकेगी।

मोहाली के गमाडा ऑफिस में ईडी की छापेमारी, तीन फ्लोर सील

मोहाली (हिंस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीमों ने मंगलवार को भारी सीआरपीएफ सुरक्षा के बीच ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी के कार्यालय में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान एजेंसी ने रेमिगेट मामले से जुड़े दस्तावेजों के साथ अन्य मामलों का रिकॉर्ड भी अपने कब्जे में लिया। सूत्रों के अनुसार, ईडी की जांच उन मामलों पर केंद्रित है, जिनमें निजी बिल्डरों को कथित रूप से गलत तरीके से चेंज ऑफ लैंड यूज (सीएलयू) की मंजूरी देने, जमीन अधिग्रहण, निजी रियल एस्टेट कंपनियों को कथित लाभ पहुंचाने और संपत्तियों की नीलामी से जुड़ी अनियमितताओं के आरोप हैं। कार्रवाई के दौरान गमाडा कार्यालय की कम से कम तीन मंजिलों को सील कर दिया गया। कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के मोबाइल फोन भी जांच एजेंसी ने अपने कब्जे में लिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, एस्टेट ऑफिसर, एडिशनल चीफ एडमिनिस्ट्रेटर और चीफ इंजीनियर समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों को हाउसिंग सेक्रेटरी के कमरे में बुलाकर पूछताछ की गई। ईडी की टीमें कार्यालय में उपलब्ध फाइलों और डिजिटल रिकॉर्ड की भी जांच कर रही हैं। एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि संबंधित मामलों में नियमों का उल्लंघन हुआ या नहीं और किसी निजी पक्ष को अनुचित लाभ पहुंचाया गया था या नहीं। मामले में जांच जारी है और कार्रवाई पूरी होने के बाद ही जब्त रिकॉर्ड तथा पूछताछ से जुड़ी विस्तृत जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

नर्सेज एसोसिएशन का विभिन्न मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन जोधपुर के नेतृत्व में नर्सिंग अधिकारियों ने लंबे समय से लंबित विभिन्न मांगों को लेकर अधीक्षक कार्यालय के समक्ष धरना देकर विरोध दर्ज कराया। संगठन का कहना है कि इन समस्याओं को लेकर लंबे समय से संयमपूर्वक प्रशासन को अवगत कराया जा रहा था, लेकिन अपेक्षित समाधान नहीं होने के कारण नर्सिंग अधिकारियों में रोष बढ़ रहा था। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन जोधपुर के अध्यक्ष जगदीश जाट के नेतृत्व में नर्सिंग अधिकारी धरने पर बैठे और विभिन्न मांगों को लेकर नारेबाजी की। प्रमुख मांगों में केयर टेकर के कार्य एवं जिम्मेदारियों में स्पष्टता, संगठन के कार्यालय का आवंटन, सफाई कर्मचारियों, हेल्पर, गार्ड एवं स्वीपर कर्मचारियों की उपलब्धता, उनकी उपस्थिति में पारदर्शिता एवं वेरिफिकेशन तथा पार्किंग व्यवस्था सहित अन्य मांगें शामिल थीं। धरने के दौरान प्रशासन की ओर से संगठन के प्रतिनिधिमंडल को वार्ता के लिए बुलाया गया। वार्ता के बाद कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर लिखित सहमति बनी। लिखित सहमति के अनुसा केयर टेकर को उसके मूल कार्य के लिए नर्सिंग अधीक्षक के अधीन लगाया जाएगा। साथ ही राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के लिए कार्यालय आवंटन, सफाई कर्मचारी, हेल्पर एवं अन्य संबंधित कार्मिकों की उपस्थिति वार्ड प्रभारी से प्राप्त करने के बाद ही बिल तैयार करने, अस्पताल परिसर की पार्किंग व्यवस्था में टीन शेड लगाने और स्टाफ के लिए अलग पार्किंग व्यवस्था किए जाने पर सहमति बनी।

ओम प्रकाश राजभर को एक अच्छे डॉक्टर की जरूरत : शिवपाल सिंह यादव

देवरिया (हिंस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने मंगलवार को सुभासपा अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर के उत्तर प्रदेश को चार हिस्सों में बांटने संबंधी बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने राजभर पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उनकी दिमागी हालत ठीक नहीं है। उनका दिमाग खिसक गया और उन्हें एक अच्छे डॉक्टर की जरूरत है। अगर राजभर को अच्छे डॉक्टर नहीं मिल रहे हैं तो वह उनसे सलाह ले सकते हैं। वह उन्हें अच्छे डॉक्टर का नाम बता देंगे। दरअसल ओमप्रकाश राजभर ने हाल ही में देवरिया में आयोजित एक सभा में उत्तर प्रदेश को चार हिस्सों में बांटने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि पूर्वांचल को अलग राज्य बनाया जाता है तो राजभर समाज का बेटा वहां का पहला मुख्यमंत्री बनेगा। राजभर के इसी बयान को लेकर शिवपाल यादव से सवाल किया गया था। शिवपाल यादव मंगलवार को बरहज स्थित बीआरडीबीडी पीजी कॉलेज आश्रम पहुंचे। यहां पर पूर्व सांसद और समाजवादी चिंतक मोहन सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई थी।

विश्व मैत्री दिवस 27 को, तैयारियां शुरू

जोधपुर (हिंस)। श्री महावीर जैन नवयुवक मण्डल एवं भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति की ओर से प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व मैत्री दिवस का आयोजन 27 सितम्बर को खरतरगच्छ सेवा संस्थान, (श्री जैन श्वेतांबर खरतरगच्छ संघ) उद्यान अपार्टमेंट के पास, 21 सेक्टर मोड, पाल रोड पर रखा गया है। समिति के सचिव धीरज कुमार रांका व मीडिया प्रभारी प्रवीण सुराणा ने बताया कि इस अवसर पर जोधपुर में विराजित जैन संतों, मुनिराजों एवं विदुषी महासतियां साध्वीवृंदों द्वारा 27 सितंबर को खरतरगच्छ सेवा संस्थान के प्रांगण में सुबह 8.30 बजे से क्षमा एवं मैत्री के पावन आदर्शों पर सारगर्भित प्रवचन होंगे। जोधपुर के विभिन्न जैन स्थानकों में विराजित आचार्य विजय चिदानंद सुरिश्वर महाराज, साध्वी जिनशीशु प्रज्ञाश्री महाराज, साध्वी रत्नमालाश्री महाराज आदि साधु-साध्वीवृंदों से विश्व मैत्री दिवस पर पधारने की विनती की गई है। इस हेतु सभी तैयारियां जोरों पर चल रही है।

जयपुर में होगा 26 को राजस्थान फिल्म फेस्टिवल : अभिनेत्री ममता कुलकर्णी होंगी सम्मानित

जयपुर (हिंस)। गुलाबी नगरी में राजस्थान फिल्म फेस्टिवल (आरएफएफ) का 14वां संस्करण 26 सितंबर को मानसरोवर स्थित दीप स्मृति सभागार में आयोजित होगा। समारोह में 90 के दशक की चर्चित अभिनेत्री ममता कुलकर्णी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। देशभर की विभिन्न भाषाओं में बनी फिल्मों और उनके कलाकारों को भी सम्मानित किया जाएगा। समारोह की मेजबानी अभिनेता शरमन जोशी और अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर करेंगी। फेस्टिवल की संस्थापक संजना शर्मा ने बताया कि मुख्य समारोह से एक दिन पहले 25 सितंबर को संस्कृति और सिनेमा पर विशेष संवाद आयोजित होगा। इसमें देशभर से आए फिल्मकार क्षेत्रीय सिनेमा की वर्तमान स्थिति और भविष्य पर चर्चा करेंगे। इसी दिन इंटर स्कूल-कॉलेज प्रतियोगिताओं का फिनाले होगा। सोशल मीडिया से जुड़ी 12 विभिन्न श्रेणियों में समाज के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा। रात में टॉक शो भी होगा। 26 सितंबर को मुख्य समारोह से पहले देश के विभिन्न राज्यों से आए निर्देशक, निर्माता और कलाकार जयपुर के ऐतिहासिक किलों, स्मारकों और विरासत स्थलों का भ्रमण करेंगे। इसके बाद शाम को रेड कारपेट के साथ मुख्य समारोह शुरू होगा। इस वर्ष यह सम्मान अभिनेत्री ममता कुलकर्णी को दिया जाएगा। वहीं फिल्मों के साथ संगीत और लाइव प्रस्तुतियां भी राजस्थान फिल्म फेस्टिवल का प्रमुख आकर्षण रही हैं। अब तक मामे खान, स्वरूप खान, मोती खान, मोहम्मद इरफान, गजेंद्र वर्मा, रविंद्र उपाध्याय, भंवरी देवी, खेता खान, सवाई भाट और रैपरिया बालम सहित कई कलाकार प्रस्तुतियां दे चुके हैं।

अखिलेश यादव का माफियाओं के साथ पोस्टर देख सपा कार्यकर्ताओं ने जताई नाराजगी, दिया ज्ञापन

वाराणसी (हिंस)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद में समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का माफियाओं अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी, मुन्ना बजरंगी इत्यादि के साथ एक पोस्टर लगाया गया। इस पोस्टर को लेकर मंगलवार को पार्टी कार्यकर्ताओं में गुस्सा भड़क गया है। विवादित पोस्टर को लेकर प्रदेश सचिव राजू यादव ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय में ज्ञापन देकर ऐसा करने वाले लोगों की पहचान कर कार्रवाई की मांग की। सपा प्रदेश सचिव राजू यादव ने कहा कि कैंटोनमेंट, पांडेयपुर, सिगरा क्षेत्र में अखिलेश यादव और माफियाओं के पोस्टर लगाकर दुष्प्रचार किया जा रहा है। पोस्टर में अखिलेश यादव का नाम गलत तरीके से माफियाओं से जोड़ा गया है। यह आपत्तिजनक है। समाजवादी पार्टी के शासनकाल को लेकर भी पोस्टरों में आपत्तिजनक नारे लिखे गए हैं। वाराणसी में जगह-जगह सीसीटीवी कैमरों से निगरानी होती है। पोस्टर लगाने वालों की पहचान कैमरों के जरिए की जा सकती है। उन्होंने कहा कि पुलिस कमिश्नर मामले की फुटेज की जांच कर ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कराए। अगर पोस्टर लगाने वालों की पहचान और गिरफ्तारी नहीं होती है तो पार्टी कार्यकर्ता आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

भागलपुर में गंगा से गाद हटाने की तैयारी गांगेय डॉल्फिन के आशियाने पर मंडराया संकट

भागलपुर (हिंस)। इस वर्ष बाढ़ की विभीषिका झेलने के बाद भागलपुर के ध्वस्त तटबंधों के सामने गंगा नदी में जमा बालू और गाद (सिल्ट) को हटाने के लिए ड्रेजिंग की तैयारी शुरू हो गई है। दावा है कि नदी की तलहटी साफ होने से जलप्रवाह बेहतर होगा और बाढ़-कटाव से राहत मिलेगी लेकिन, गंगा जैसी जीवंत नदी में बड़े पैमाने पर ड्रेजिंग केवल एक तकनीकी कवायद नहीं है। पर्यावरणविदों और वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इस कदम से राष्ट्रीय जलीय जीव गांगेय डॉल्फिन और अन्य जलीय प्रजातियों के पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर संकट मंडरा सकता है। उल्लेखनीय है कि भागलपुर का सुल्तानगंज से कहलगांव तक का क्षेत्र *विक्रमशिला गांगेय डॉल्फिन अभयारण्य* के रूप में संरक्षित है। ड्रेजिंग के कारण नदी के शांत पर्यावरण में भारी मशीनों का शोर गूंजेगा। चूंकि डॉल्फिन देख नहीं सकतीं और दिशा व शिकार के लिए पूरी तरह *इकोलोकेशन* (ध्वनि तरंगों) पर निर्भर करती हैं, इसलिए मशीनों की तेज आवाज उन्हें भ्रमित और तनावग्रस्त कर देगी। इसके अलावा, तलहटी से गाद निकालने के कारण पानी अत्यधिक मटमैला हो जाएगा, जिससे पानी में ऑक्सीजन का स्तर घटेगा और डॉल्फिन समेत कई मछलियों का दम घुटने लगेगा। नदी की तलहटी में जमा गाद और बालू कई जलीय जीवों और छोटी मछलियों का प्राकृतिक आवास होते हैं, जो डॉल्फिन का मुख्य भोजन हैं। ड्रेजिंग से यह पूरा खाद्य जाल नष्ट हो सकता है। जानकारों का कहना है कि पूर्व में कहलगांव-पीरपैंती के रानी दियारा में हुए ड्रेजिंग प्रयोग के बाद नदी की धारा बदलने से भारी कटाव हुआ था और ग्रामीणों के विरोध के बाद काम रोकना पड़ा था। नदी अपनी प्रकृति के अनुसार खाली जगह को फिर से भरने की कोशिश करती है, जिससे यह समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। पर्यावरणविद दीपक कुमार का सवाल है कि क्या इस ड्रेजिंग को शुरू करने से पहले डॉल्फिन के संरक्षण और नदी की बदलती धारा पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का पर्याप्त वैज्ञानिक आकलन किया गया है? ड्रेजिंग से तात्कालिक रूप से किसी एक इलाके को बाढ़ से राहत मिल सकती है, लेकिन उचित प्रबंधन के बिना यह दूसरे तटों पर कटाव का नया खतरा पैदा कर सकती है।

जमुई की घटना ने बिहार में कानून-व्यवस्था और महिला-बालिका सुरक्षा की खोली पोल : अनुपम

सुपौल (हिंस)। जमुई में स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ कथित मारपीट, दुर्व्यवहार एवं उत्पीड़न की घटना के विरोध में मंगलवार को जिला कांग्रेस कमिटी सुपौल की ओर से विरोध मार्च निकाला गया। प्रखंड प्रभारी शाहिद खान एवं प्रखंड अध्यक्ष अमित कुमार झा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यालय से निकला मार्च आंबेडकर चौक पहुंचा, जहां कार्यकर्ताओं ने घटना के विरोध में नारेबाजी करते हुए महिला एवं बालिका सुरक्षा को लेकर सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की। जमुई में 19 सितंबर की शाम दो नाबालिग स्कूली छात्रों के साथ कथित दुर्व्यवहार एवं मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद मामला चर्चा में आया। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच के लिए एसआईटी गठित की और आरोपियों की पहचान एवं गिरफ्तारी की कार्रवाई शुरू की। जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनुपम ने कहा कि जमुई की घटना किसी एक परिवार या जिले तक सीमित मामला नहीं है, बल्कि महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा तथा कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार की जवाबदेही का गंभीर सवाल है। उन्होंने कहा कि सरकार महिला सुरक्षा और सुशासन के दावे करती है, लेकिन जब नाबालिग छात्र-छात्राओं के साथ

सार्वजनिक स्थान पर इस प्रकार की घटना सामने आती है तो शासन-प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा आवश्यक हो जाती है। उन्होंने कहा कि घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस कार्रवाई तेज हुई। ऐसे मामलों में पीड़ितों की सुरक्षा, निष्पक्ष जांच और सभी दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करना जरूरी है। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता प्रेम नाथ झा ने कहा कि नशे, हिंसा और अपराध को बढ़ावा देने वालों को सामाजिक प्रतिष्ठा अथवा संरक्षण देने के बजाए समाज को उनका विरोध करना चाहिए। राजनीतिक प्रभाव, आर्थिक ताकत अथवा भीड़ जुटाने की क्षमता किसी व्यक्ति को कानून और सामाजिक मर्यादा से ऊपर नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो के सामने आने के कारण जमुई की घटना देशभर में चर्चा में आई, लेकिन जिन घटनाओं का वीडियो सामने नहीं आता, उन पीड़ितों की आवाज कौन उठाएगा। सरकार को केवल सोशल मीडिया पर सामने आने वाली घटनाओं पर प्रतिक्रिया देने के बजाए महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए स्थायी एवं प्रभावी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। जिला कांग्रेस कमिटी ने जमुई मामले की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कराने, सभी आरोपियों के खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने, पीड़ित छात्र-छात्राओं एवं उनके परिवार की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करने तथा संवेदनशील स्थानों पर पुलिस गश्त एवं सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराधों की रोकथाम के लिए जवाबदेही तय करने वाली ठोस व्यवस्था लागू करने की भी मांग की। साथ ही कहा कि यदि राज्य सरकार कानून-व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहती है तो मुख्यमंत्री को पद से इस्तीफा देना चाहिए। विरोध मार्च के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि बच्चियों की सुरक्षा केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है। जमुई मामले में दोषियों पर कार्रवाई के साथ-साथ भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था जरूरी है। विरोध मार्च में पिपरा प्रभारी ललित कामत, उस्मान आजाद, ललन भगत, सुभान, तनवीर आलम, शिवनंदन यादव, एमडी सुहैल, रामचंद्र सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ है। कीमत में बदलाव होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 1,150 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,260 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है।

इसी तरह चांदी के भाव में भी शुरुआती कारोबार के दौरान 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में हुए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,570 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,41,690 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,54,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,54,570 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,54,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजार में 22 कैरेट सोना 1,41,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

त्योहारी सीजन से पहले अरहर दाल 150 के पार, सरकार कसेगी नकेल, कमजोर मानसून, मंडियों में कम आपूर्ति और स्टाक बढ़ने से कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन से ठीक पहले उपभोक्ताओं को एक और झटका लगा है। अरहर दाल (तुअर दाल) के दाम आसमान छू रहे हैं, जो खुदरा बाजार में 150 रुपये प्रति किलोग्राम के करीब पहुंच गए हैं। पिछले एक महीने में इसकी कीमतों में करीब 14 फीसदी का उछाल आया है। मंडियों में कमजोर आपूर्ति, दाल मिलर्स की मजबूत मांग और कमजोर मानसून के साथ-साथ कारोबारियों द्वारा स्टाक बढ़ाने को इस तेजी का मुख्य कारण माना जा रहा है। सरकार अब दालों की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए जल्द ही सख्त कदम उठा सकती है। देश में अरहर दाल का औसत मंडी भाव फिलहाल 11,394 रुपये प्रति क्विंटल चल रहा है, जबकि खुदरा बाजार में यह 130 से 160 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रही है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले एक महीने में अरहर की कीमत में लगभग 14 फीसदी और तीन महीने में 12 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। इस बढ़ोतरी के पीछे मानसून का कमजोर रहना, त्योहारों से पहले मिलों की ओर से बढ़ी हुई खरीद और स्टाकिस्टों द्वारा ऊंचे भाव की उम्मीद में माल रोकना प्रमुख कारण हैं। कारोबारियों का अनुमान है कि त्योहारी सीजन के दौरान तुअर दाल के दाम 15,000 रुपये प्रति क्विंटल के पार जा सकते हैं। इस स्थिति को देखते हुए सरकार दाल की कीमतों पर लगाम लगाने और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने की तैयारी में है।

जियो और टी-मोबाइल ने लान्च की दुनिया की पहली 5जी एसए रोमिंग सेवा, भारत और अमेरिका के यात्रियों को मिलेगा निर्बाध 5जी स्टैंडअलोन नेटवर्क का अनुभव

मुंबई। रिलायंस जियो और अमेरिकी दूरसंचार कंपनी टी-मोबाइल ने एक ऐतिहासिक साझेदारी की घोषणा की है। इस समझौते के तहत दोनों कंपनियों के ग्राहक एक-दूसरे के नेटवर्क पर दुनिया की पहली 5जी स्टैंडअलोन (एसए) रोमिंग सेवा का लाभ उठा सकेंगे। सिनिवर्स के तकनीकी सहयोग से शुरू हुई यह सुविधा भारत और अमेरिका के बीच यात्रा करने वाले उपभोक्ताओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिना किसी रुकावट के सिर्फ 5जी नेटवर्क का अनुभव प्रदान करेगी। दोनों कंपनियों ने संयुक्त बयान में बताया कि यह सेवा इसलिए विशेष है क्योंकि रोमिंग के दौरान ग्राहकों को केवल 5जी स्टैंडअलोन सिग्नल ही मिलेंगे, जिससे डेटा स्पीड और कनेक्टिविटी में अभूतपूर्व सुधार होगा। इस ऐतिहासिक उपलब्धि को सिनिवर्स के तकनीकी मंच ने संभव बनाया है, जिसने दोनों नेटवर्क को सुरक्षित रूप से एकीकृत किया। टी-मोबाइल के मुख्य नेटवर्क अधिकारी ने बताया कि यह साझेदारी उनके 2020 में शुरू हुए 5जी एसए प्रयासों का विस्तार है, जो अब वैश्विक स्तर पर निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

नई दिल्ली में सजेगा चावल का ग्लोबल बाजार, एक साथ दिखेंगी 200 देसी-विदेशी किस्में

नई दिल्ली। देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 23 से 25 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले भारत अंतराष्ट्रीय चावल सम्मेलन (बीआईआरसी 2026) में दुनियाभर से चावल की 200 किस्में प्रदर्शित की जाएंगी। भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन में दुनियाभर से व्यावसायिक महत्व वाली चावल को प्रदर्शित किया जा रहा है। यह अपनी तरह का पहला वैश्विक संग्रह अगले महीने नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। भारत समेत दुनिया के अलग-अलग देशों में मिलने वाले चावल की करीब 200 किस्में जल्द ही एक ही जगह देखने को मिलेंगी। आयोजकों के मुताबिक ग्लोबल राइस आर्काइव में भारत के साथ इटली, थाईलैंड और जापान समेत कई देशों में व्यावसायिक रूप से इस्तेमाल होने वाली चावल की 200 किस्मों को रखा जाएगा।

नथिंग का सीएमएफ अब भारतीय कार्ल पेई का देसी टेक पर बड़ा दांव

कंपनी का वैश्विक मुख्यालय भारत में, 2015 की गलतियों से सीखकर नया अध्याय लिखने का लक्ष्य

नई दिल्ली

चर्चित टेक ब्रांड नथिंग के फाउंडर और सीईओ कार्ल पेई ने एक ऐतिहासिक ऐलान किया है। उनका लोकप्रिय सब-ब्रांड सीएमएफ अब नथिंग से पूरी तरह अलग होकर एक स्वतंत्र, पूर्णकालिक भारतीय कंपनी बनने जा रहा है। सितंबर 2023 में बजट-फ्रेंडली स्मार्टफोन, स्मार्टवाच और आडियो प्रोडक्ट्स के साथ लान्च हुए सीएमएफ को भारत की दम पर वैश्विक इलेक्ट्रानिक्स बाजार के समीकरण बदलने की एक सोची-समझी रणनीति के तहत यह नई पहचान मिलेगी।

कार्ल पेई के इस कदम का सीधा मतलब भारत में इलेक्ट्रानिक्स मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन की अपार संभावनाओं को भुनाना है। नई कंपनी में मेज़ारिटी ओनरशिप भारतीयों के पास होगी, इसका ग्लोबल हेडक्वार्टर भारत में होगा और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसकी कोर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) टीम भी भारतीय इंजीनियरों से सजी होगी। पेई ने अपने एक्स (पहले ट्विटर) पोस्ट में कहा कि भारत इस वक्त ठीक उसी ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है, जहां कभी जापान, दक्षिण कोरिया और चीन खड़े थे, जिन्होंने अपनी स्थानीय कंपनियों के दम पर वैश्विक इलेक्ट्रानिक्स बाजार पर राज किया। उन्होंने जोर देकर कहा, अब भारत की बारी है। पेई ने भारत की मौजूदा ताकत (दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन निर्माता, सबसे बड़ी युवा आबादी, साफ्टवेयर इंजीनियरिंग टैलेंट) को स्वीकार करते हुए, 2015 के डार्क चैप्टर की याद दिलाई। उस दौर में माइक्रोमैक्स, लावा और कार्बन जैसे भारतीय ब्रांड्स ने देश के आधे से अधिक स्मार्टफोन बाजार पर कब्जा कर रखा था। लेकिन, वास्तविक इंजीनियरिंग और आरएंडडी के अभाव में, जो विदेशी कंपनियों के आफ-द-शेल्फ डिजाइन पर निर्भर थे, वे कुछ ही सालों में विदेशी प्रतिस्पर्धा के सामने ढह गए। कार्ल पेई ने बताया कि 2015 की सबसे बड़ी सीख यही थी कि सिर्फ मार्केटिंग या सस्ती कीमत के दम पर टिका नहीं जा सकता।

बैंकिंग प्रणाली में नकदी अधिशेष 6 लाख करोड़ के करीब, - ओएमओ और जीएसटी भुगतान ने निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा बैंकिंग प्रणाली से अतिरिक्त तरलता (लिक्विडिटी) खींचने के उपाय अब रंग लाते दिख रहे हैं। बान्ड बिक्री के खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) भुगतान के कारण, बैंकिंग प्रणाली में शुद्ध नकदी अधिशेष में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे मौद्रिक नीति का परिचालन लक्ष्य मानी जाने वाली ओवरनाइट वेटेज एवरेज काल रेट (डब्ल्यूएसीआर) नीतिगत रीपो दर के करीब पहुंच गई है। बाजार प्रतिभागियों के अनुसार बैंकिंग प्रणाली में शुद्ध नकदी अधिशेष सितंबर की शुरुआत में 11.16 लाख करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर से घटकर अब लगभग 6 लाख करोड़ रुपये रह गया है। इसके परिणामस्वरूप, वेटेज एवरेज काल रेट आज 5.24 फीसदी पर बंद हुई, जो 4.92 फीसदी थी और अब नीतिगत रीपो दर के लगभग बराबर आ गई है। आरबीआई द्वारा ओएमओ के तहत बान्ड बिक्री की पहली नीलामी हुई थी, जबकि इसके बाद हुई दूसरी नीलामी में 25,000 करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के मुकाबले 84,942 करोड़ रुपये की मजबूत बोलियां मिलीं, जिससे बाजार में नकदी सोखने में मदद मिली। केंद्रीय बैंक ने सितंबर के लिए कुल 1 लाख करोड़ रुपये की ओएमओ बिक्री की घोषणा की है, जिसका मुख्य उद्देश्य डालर-रुपया स्वैप सुविधा के तहत विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमा से प्राप्त बड़े निवेश प्रवाह से बनी दीर्घकालिक नकदी अधिशेष को वापस लेना है। आरबीआई अस्थायी नकदी को सोखने के लिए लंबी अवधि के वेरिएबल रेट रिवर्स रीपो परिचालन भी कर रहा है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले महीनों में एक और 1 लाख करोड़ रुपये की ओएमओ बिक्री और चलन में मौजूद मुद्रा में वृद्धि जैसी स्थितियों से नकदी अधिशेष में और कमी आएगी।

प्याज ने फिर रुलाया: एक साल में दोगुनी हुई कीमतें रसोई का बिगड़ा बजट

नई दिल्ली

देशभर में प्याज की कीमतें एक बार फिर आम आदमी को रुला रही हैं। पिछले एक साल की तुलना में इसकी खुदरा कीमतें दोगुनी से अधिक हो गई हैं, जिससे रसोई का बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 21 सितंबर को प्याज का औसत खुदरा भाव 54.23 रुपए प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया, जो महज एक महीने पहले 40.79 रुपए था।

थोक बाजार में भी प्याज के भाव आसमान छू रहे हैं, जहां 21 सितंबर को औसत थोक कीमत 4,615.98 रुपए प्रति क्विंटल दर्ज की गई, जो पिछले साल की तुलना में लगभग 135 फीसदी अधिक है। इसका असर विभिन्न शहरों में साफ दिख रहा है। दिल्ली में प्याज 53 रुपए, मुंबई में 58 रुपए और चेन्नई में 60 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है, जबकि एक साल पहले ये कीमतें लगभग आधी थीं। इस बढ़ोतरी के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में मार्च में हुई बेमौसम बारिश से गर्मियों की प्याज की फसल को बड़ा नुकसान पहुंचा था। इसके अलावा, केंद्रीय एजेंसियों के पास रखे स्टाक का एक हिस्सा भी खराब हो गया, जिससे बाजार में आपूर्ति प्रभावित हुई।

खुदरा कीमतें 54.23 प्रति किलो के पार, दिल्ली से चेन्नई तक बढ़ा बोझ

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी भारतीय प्याज की मांग कमजोर बनी हुई है, लेकिन इसके बावजूद घरेलू कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल कीमतों में बहुत बड़ी तेजी की संभावना नहीं है। पिछले एक हफ्ते से भाव लगभग स्थिर हैं।

बाजार से जुड़ी जानकारी के मुताबिक, बीज कंपनियों की खरीद पूरी होने के बाद प्याज के भाव में 5 से 10 रुपए प्रति किलो तक की गिरावट आ सकती है। लंबी अवधि में, रबी फसल के स्टाक की खपत और खरीफ फसल की आवक के बीच अगस्त से जनवरी तक उपलब्धता और मांग का अंतर कीमतों पर दबाव डाल सकता है।

ऊर्जा लागत, वित्तीय सख्ती से दूसरी छमाही में धीमी होगी भारत की वृद्धिः डीबीएस

नई दिल्ली। डीबीएस बैंक की एक अर्थशास्त्री ने आगाह किया है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी छमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर धीमी पड़ सकती है। उन्होंने सख्त वित्तीय स्थितियों, ऊर्जा की ऊंची कीमतों और प्रतिकूल आधार प्रभाव को इसके मुख्य कारण बताया। उनके अनुसार बढ़ते महंगाई दबाव के चलते मौद्रिक नीति का केंद्रीय ध्यान मूल्य स्थिरता पर बना रहेगा। राव ने अपने वृहद आर्थिक आकलन में बताया कि मजबूत घरेलू मांग, उपभोग और सार्वजनिक पूंजीगत व्यय के दम पर वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था ने 7.8 फीसदी की प्रभावशाली वार्षिक दर से वृद्धि दर्ज की। हालांकि, डीबीएस का अनुमान है कि पूरे वित्त वर्ष 2026-27 के लिए औसत आर्थिक वृद्धि 7.3 फीसदी रहेगी, जो पिछले वित्त वर्ष के 7.8 फीसदी के संशोधित आंकड़े से कम है। उन्होंने यह भी कहा कि जीएसटी संग्रह, ई-वे बिल और डिजिटल भुगतान जैसे उच्च-आवृत्ति संकेतक फिलहाल मजबूत बने हुए हैं, जो घरेलू गतिविधियों की निरंतरता का संकेत देते हैं।

गूगल पर 46.3 करोड़ डालर का जुर्माना,- उपयोगकर्ताओं के लोकेशन डेटा के गलत इस्तेमाल का आरोप

डबलिन

यूरोपीय संघ ने गूगल पर उपयोगकर्ताओं के लोकेशन डेटा के गलत इस्तेमाल के आरोप में 46.3 करोड़ अमेरिकी डालर का भारी जुर्माना लगाया है। आयरलैंड के डेटा संरक्षण आयोग (डीपीसी) ने यह घोषणा की, जिसमें बताया गया कि गूगल ने डेटा गोपनीयता नियमों का उल्लंघन किया है। यह जुर्माना व्यक्तिगत डेटा के प्रसंस्करण में कानूनी, निष्पक्ष और पारदर्शी रहने में कंपनी की विफलता के लिए लगाया गया है।

डीपीसी की जांच में सामने आया कि गूगल ने उपयोगकर्ताओं की ब्राउजिंग और सर्च हिस्ट्री की निगरानी करने वाली वेब एंड ऐप एक्टिविटी सेटिंग और मोबाइल फोन के जरिए उनके जाने वाले स्थानों की निगरानी करने वाली लोकेशन हिस्ट्री सेवा में लोकेशन डेटा का कानूनी या निष्पक्ष तरीके से प्रसंस्करण नहीं किया। इसके अलावा, नियामकों ने यह भी पाया कि एंड्राइड मोबाइल आपरेटिंग सिस्टम में लोकेशन एक्यूरेसी फीचर के तहत व्यक्तिगत डेटा को संसाधित करते समय कंपनी कानूनी, निष्पक्ष और पारदर्शी रहने में विफल रही। चूंकि गूगल का यूरोपीय मुख्यालय डबलिन में है, आयरलैंड यूरोपीय संघ में अमेरिकी तकनीकी दिग्गज कंपनी का मुख्य नियामक है। गूगल ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह मामला पुरानी नीतियों से जुड़ा है, जिन्हें अब अपडेट किया जा चुका है। कंपनी ने 2019 के बाद से अपनी कार्यप्रणाली में महत्वपूर्ण सुधार और लोकेशन डेटा को प्रबंधित करने के लिए मजबूत उपकरण पेश करने का दावा किया है। नियामकों ने जोर दिया कि लोकेशन डेटा एक संवेदनशील व्यक्तिगत डेटा है, जिसका उपयोग किसी व्यक्ति के स्थान का अनुमान लगाने के लिए किया जा सकता है।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशिया में भी तेजी

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी का जोर बना रहा। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड के स्तर में गिरावट आने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत के पिछले 11 दिन के निचले स्तर तक पहुंच जाने की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.71 प्रतिशत बढ़कर 52,048.83 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स में 114.20 अंक यानी 1.49 प्रतिशत उछल कर 7,764.70 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 599.55 अंक यानी 2.26 प्रतिशत की जोरदार छलांग लगा कर 27,122.09 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 51,981.96 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार पाजिटिव माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.74 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,739.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.91 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,138.94 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 270.95 अंक यानी 1.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,575.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक उत्साह के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स बड़ी गिरावट का शिकार हो गया है। फिलहाल यह सूचकांक 101.88 अंक यानी 1.60 प्रतिशत टूट कर 6,282.85 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 5,697.66 अंक के स्तर पर बना हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.06 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,452.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,958.64 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 99.47 अंक यानी 1.42 प्रतिशत उछल कर 7,107.19 अंक के स्तर पर आ गया है।

निक्केई इंडेक्स में भी जबरदस्त मजबूती नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 882.70 अंक यानी 1.36 प्रतिशत की उछाल के साथ 65,018.95 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 408.16 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की बढ़त के साथ 48,127 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.63 प्रतिशत उछल कर 1,608.03 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की छलांग लगा कर 25,121 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

एशियाई खेल : भारत ने दक्षिण कोरिया को 63–31 से रौंदा, पुरुष कबड्डी में लगातार दूसरी जीत

आइची-नगोया

मौजूदा चैंपियन भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने एशियाई खेल 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को ग्रुप ए के दूसरे मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 63–31 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

भारत ने पहले हाफ में ही मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया था और मध्यांतर तक 34–14 की मजबूत बढ़त हासिल कर ली थी।

भारत ने शुरुआती हाफ में दक्षिण कोरिया पर दो आलआउट लगाए। इनमें दूसरा आलआउट मध्यांतर से ठीक पहले आया, जिससे भारतीय टीम की स्थिति और मजबूत हो गई।

दूसरे हाफ में भी भारत ने अपना दबदबा कायम रखा और 32 अंकों के अंतर से मुकाबला अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत ने ग्रुप ए में दो मैचों से दो जीत हासिल कर ली हैं।

भारत ने सोमवार को अपने अभियान की शुरुआत जापान के खिलाफ 49–24 की जीत से की थी। जापान ने दूसरे हाफ में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 20 से अधिक अंक हासिल किए थे, लेकिन भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में नियंत्रण बनाए रखा और आसान जीत दर्ज की।

भारत का अगला मुकाबला ग्रुप ए में बांग्लादेश से टोकेई सिटिजन जिम्नेजियम में होगा।

निशानेबाजी में इलावेनिल और पार्थ स्वर्ण पदक मुकाबले में – निशानेबाजी में भारत की इलावेनिल वलारिवन और पार्थ माने ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वालिफिकेशन में दूसरा स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक मुकाबले के लिए क्वालीफाई किया। चीन ने 638.9 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया और नया विश्व रिकार्ड बनाया। उसने पिछले 636.9 अंक के रिकार्ड में सुधार किया।

भारतीय जोड़ी ने क्वालिफिकेशन की शुरुआत मजबूत तरीके से की और 20 शाट के बाद 211.9 अंक हासिल किए। इसके बाद भी इलावेनिल और पार्थ ने अपनी स्थिति बनाए रखी और 634.9 अंक के साथ क्वालिफिकेशन पूरा किया। भारतीय जोड़ी का यह स्कोर मौजूदा एशियाई रिकार्ड से भी बेहतर रहा।

चीन ने 638.9 अंक के रिकार्ड स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन समाप्त किया।

चीन की ओर से पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल क्वालिफिकेशन में सोमवार को हिस्सा लेने वाले शेंग लिहाओ ने भी योगदान दिया और चीन ने अपने शाट्स जल्दी पूरे कर लिए। चीन और भारत के क्वालिफिकेशन पूरा करने के समय दक्षिण कोरिया और ईरान अपनी सीरीज पूरी कर रहे थे।

न्यूज ब्रीफ

एशियाई खेलः भारतीय खिलाड़ियों की मदद के लिए साई ने बढ़ाईं सुविधाएं

आइची-नगोया, जापान। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने एशियाई खेल 2026 में भारतीय दल के लिए जमीनी स्तर पर लाजिस्टिक और खिलाड़ियों से जुड़ी सहायता को मजबूत किया है। साई की ओर से खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और हयोगी स्टाफ की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई व्यवस्थाएं की गई हैं। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के आगमन को सुगम बनाने के लिए हवाई अड्डे पर एक समर्पित स्वागत एवं सहायता टीम तैनात की गई है। इसमें भारतीय ओलंपिक संघ, साई और जापान स्थित भारतीय दूतावास के प्रतिनिधि शामिल हैं। यह टीम आने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ का स्वागत करने के साथ आगमन संबंधी औपचारिकताओं में सहायता कर रही है। साथ ही खिलाड़ियों को जलपान और आगे खेल स्थलों तथा आवास तक पहुंचने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है। साई ने भारतीय दल की सुविधा के लिए कई अतिरिक्त व्यवस्थाएं भी की हैं। भारतीय निशानेबाजों के लिए प्रतियोगिता स्थलों तक आने-जाने के लिए परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा चिकित्सा टीमों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए वाहनों की व्यवस्था की गई है, ताकि चिकित्सा दल विभिन्न प्रतियोगिता स्थलों के बीच आसानी से पहुंच सकें और जरूरत पड़ने पर खिलाड़ियों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध करा सकें। आयोजन समिति की ओर से सीमित आवास उपलब्ध होने के कारण जिन प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ के लिए आवास की व्यवस्था नहीं हो सकी थी, उनके लिए भी अतिरिक्त कमरों की व्यवस्था साई ने की है।

एशियाई खेलः इलावेनिल-पार्थ पदक से चूके, 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम में चौथे स्थान पर रहे

आइची-नगोया। भारत की इलावेनिल वलारिवन और पार्थ माने की जोड़ी एशियाई खेल 2026 में

मंगलवार को 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में पदक जीतने से चूक गई। भारतीय जोड़ी फाइनल में 376.3 अंक के साथ चौथे स्थान पर रही और पदक की दौड़ से बाहर हो गई। इलावेनिल और पार्थ ने फाइनल की शुरुआत चौथे स्थान से की। पहले 10 शाट के बाद भारतीय जोड़ी ने 103.6 अंक हासिल किए। चीन 107.2 अंक के साथ शीर्ष पर था, जबकि दक्षिण कोरिया 104.9 और जापान 103.9 अंक के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर थे। 20 शाट के बाद भी भारतीय जोड़ी चौथे स्थान पर रही। उसके खाते में 207.9 अंक थे और तीसरे स्थान पर मौजूद दक्षिण कोरिया से वह 1.3 अंक पीछे थी। चीन 211.9 अंक के साथ शीर्ष पर बना हुआ था। तीसरी सीरीज के बाद भी इलावेनिल और पार्थ 312.3 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहे। चीन 315.7 अंक के साथ पहले, जापान 314.9 अंक के साथ दूसरे और दक्षिण कोरिया 314.3 अंक के साथ तीसरे स्थान पर था।

एशियाई खेलः जापान से 1-3 से हारकर भारतीय महिला बैडमिंटन टीम क्वार्टर फाइनल से बाहर

आइची-नगोया। भारतीय महिला बैडमिंटन टीम को एशियाई खेल 2026 के क्वार्टर फाइनल में जापान के

खिलाफ 1–3 से हार का सामना करना पड़ा और इसके साथ ही उसका अभियान समाप्त हो गया। मंगलवार को खेले गए मुकाबले में पीवी सिंधु और तनीशा शर्मा-तरुण के प्रदर्शन में कुछ अच्छे पल देखने को मिले, लेकिन भारत जापान की चुनौती पार नहीं कर सका। क्वार्टर फाइनल के पहले मुकाबले में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का सामना अकाने यामागुची से हुआ। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। सिंधु ने 5–5 से बराबरी की, लेकिन ब्रेक तक यामागुची 11–9 से आगे थीं। सिंधु ने 12–12 से बराबरी करने के बाद 17–18 और फिर 18–18 की बराबरी हासिल की। इसके बाद भी दोनों के बीच कड़ा संघर्ष जारी रहा और सिंधु ने पहला गेम 23–21 से जीत लिया। दूसरे गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर रही। ब्रेक तक यामागुची 11–9 से आगे थीं और उन्होंने बढ़त को 17–12 तक पहुंचाया। सिंधु ने वापसी करते हुए अंतर 16–18 किया, लेकिन यामागुची ने फिर बढ़त मजबूत की और दूसरा गेम 21–18 से जीत लिया। निर्णायक गेम में यामागुची ने शुरुआत से दबदबा बनाया और ब्रेक तक 11–4 की बढ़त हासिल कर ली। सिंधु मुकाबले में वापसी नहीं कर सकीं और यामागुची ने निर्णायक गेम 21–11 से जीतकर जापान को 1–0 की बढ़त दिला दी। दूसरे मुकाबले में उन्नति हुड्डा का सामना तोमोका मियाजाकी से हुआ।

एशियाई खेल : भारत ने श्रीलंका को 147 रन से हराकर जीता स्वर्ण पदक

भारतीय स्पिनरों ने बरपाया कहर, मात्र 69 रन पर सिमटी श्रीलंकाई टीम

आइची-नगोया

स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की शानदार बल्लेबाजी के बाद भारतीय स्पिनरों के कहर की बदौलत भारत ने मंगलवार को एशियाई खेलों के महिला क्रिकेट फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराकर लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीत लिया। यह मौजूदा एशियाई खेलों में भारत का पहला स्वर्ण पदक है। भारत के अब सात पदक हो गए हैं, जिसमें एक स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य शामिल हैं।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट पर 216 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका की टीम 15.4 ओवर में 69 रन पर आलआउट हो गई। 147 रन की जीत महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत भी है। इससे पहले भारत ने मलेशिया को 142 रन से हराया था।

217 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। शेफाली वर्मा ने इमेशा दुलानी को तीन रन पर ऋचा घोष के हाथों स्टंप कराया। श्रीलंका का स्कोर 2.5 ओवर में 18 रन पर एक विकेट था।

कप्तान चमारी अटापट्टू ने कुछ अच्छे शाट लगाए और नंदिनी शर्मा तथा क्रांति गौड़ के ओवरों में दो-दो चौके लगाए।

हालांकि, शेफाली ने हसीनी परेरा को भी अपना शिकार बनाया। हसीनी बड़ा शाट खेलने के प्रयास में भारती फुलमाली के हाथों कैच हो गईं और खाता नहीं खोल सकीं। पावरप्ले के छह ओवर के बाद श्रीलंका का स्कोर दो विकेट पर 41 रन था।

इसके बाद दीप्ति शर्मा ने श्रीलंका की कप्तान अटापट्टू को 21 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से 29 रन के निजी स्कोर पर आउट कर दिया। इसके बाद भारतीय स्पिनरों ने श्रीलंका के बल्लेबाजी क्रम को पूरी तरह बिखेर दिया।

श्रेयांका पाटिल ने हरशिता समरविक्रमा को खाता खोले बिना आउट किया, जबकि श्री चरणी ने हंसिमा करुणारत्ने को एक रन पर पवेलियन भेजा।

दीप्ति ने कविशा दिलहारी को 11 रन पर आउट किया। श्रीलंका का स्कोर 9.1 ओवर में छह विकेट पर 49 रन हो गया।

इसके बाद श्री चरणी ने काव्या कविंदी को दो रन पर आउट किया। दीप्ति ने सुगंधिका कुमारी को तीन रन पर आउट कर अपना तीसरा विकेट हासिल किया। 15वें ओवर में मिथिला अयोध्या ने रन आउट कर श्रीलंका का नौवां विकेट गिराया। इसके बाद श्रेयांका पाटिल ने आखिरी विकेट लेकर श्रीलंका की पारी 69 रन पर समेट दी।

भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने चार ओवर में छह रन देकर तीन विकेट लिए। श्री चरणी ने चार ओवर में 13 रन देकर दो विकेट लिए। शेफाली वर्मा ने दो ओवर में तीन रन देकर दो विकेट और श्रेयांका पाटिल ने 1.4 ओवर में नौ रन देकर दो विकेट हासिल किए।

भारत ने 216 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया

इससे पहले भारत ने स्मृति मंधाना और ऋचा घोष की शानदार बल्लेबाजी के दम पर 216 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। मंधाना ने 45 गेंदों पर पांच चौकों और सात छक्कों की मदद से 79 रन बनाए। उन्होंने शेफाली वर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी की। शेफाली ने 29 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 48 रन बनाए।

मंधाना ने 10वें ओवर में अपना 37वां टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया और इसी दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 11,000 रन पूरे करने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं।

कप्तान हरमनप्रीत कौर 17 गेंदों पर 19 रन बनाकर आउट हुईं।

अंत में ऋचा घोष ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 22 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 49 रन बनाए। उनकी पारी की बदौलत भारत ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 216 रन बनाए, जो एशियाई खेलों के महिला क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है।

श्रीलंका की ओर से चमुदी प्रबोदा, कविशा दिलहारी और सुगंधिका कुमारी ने एक-एक विकेट लिया।

संक्षिप्त स्कोर: भारत—216/3 (स्मृति मंधाना 79, ऋचा घोष 49 नाबाद; चमुदी प्रबोदा 1/34) ने श्रीलंका—69 रन (चमारी अटापट्टू 29; दीप्ति शर्मा 3/6) को 147 रन से हराया।

एशियाई खेलः भारत बुधवार से करेगा एथलेटिक्स अभियान की शुरुआत, तजिंदरपाल, अविनाश पर नजरें

आइची-नगोया

भारत एशियाई खेलों में बुधवार से अपने एथलेटिक्स अभियान की शुरुआत करेगा। 23 से 29 सितंबर तक चलने वाली एथलेटिक्स स्पर्धाओं में अविनाश साबले, तजिंदरपाल सिंह तूर, पारुल चौधरी और गुलवीर सिंह समेत कई भारतीय पदक दावेदार मैदान में उतरेंगे।

नीरज चोपड़ा के चोट के कारण बाहर होने से पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भारत की चुनौती कुछ अलग होगी। उनकी जगह रोहित यादव और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता यश वीर सिंह भारतीय चुनौती संभालेंगे। रोहित ने इस सत्र में 87 मीटर से अधिक के दो शानदार थ्रो किए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अगस्त में भुवनेश्वर में विश्व एथलेटिक्स कान्टिनेंटल टूर सिल्वर मीट में आया, जहां उन्होंने 87.68 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

अविनाश साबले पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे। घुटने की सर्जरी के कारण वह ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा नहीं ले सके थे। वहीं, तजिंदरपाल सिंह तूर की नजरें एशियाई खेलों में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीतने पर होंगी।

पारुल चौधरी महिलाओं की 5000 मीटर में अपने स्वर्ण पदक का बचाव करेंगी। वह 1500 मीटर और 3000 मीटर स्टीपलचेज में भी हिस्सा लेंगी। 2022 हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की 4म400 मीटर रिले टीम का हिस्सा रहे राजेश रमेश को भी टीम में जगह मिली है।

बाधा दौड़ की धाविका ज्योति याराजी भी लंबे समय तक चोट से बाहर रहने के बाद प्रतियोगिता में वापसी करेंगी। उन्होंने 2022 एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था। लंबी कूद के स्टार मुरली श्रीशंकर भी मजबूत लय के साथ एशियाई खेलों में उतरेंगे। उन्होंने ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में अपना दूसरा रजत पदक जीता था।

तेजस्विन शंकर, गुलवीर सिंह, अंसी सोजन, प्रवीण चित्रवेल और विथ्या रामराज भी भारतीय टीम के प्रमुख नामों में शामिल हैं। गुलवीर सिंह ने 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में 10,000 मीटर और 5,000 मीटर में दो पदक जीते थे। अंसी सोजन लंबी कूद की राष्ट्रीय रिकार्डधारी हैं, जबकि प्रवीण चित्रवेल और विथ्या रामराज भी हांगझोऊ में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं।

भारत एथलेटिक्स की 50 पदक स्पर्धाओं में से 41 में हिस्सा लेगा। पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़, चक्का फेंक, हाफ मैराथन रेस वाक, मैराथन रेस वाक और 4म100 मीटर रिले में भारत की भागीदारी नहीं होगी। महिलाओं की 100 मीटर, मैराथन, भाला फेंक और हाफ मैराथन रेस वाक स्पर्धाओं में भी भारत का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होगा।

एशियाई खेलः चेतन भट्ट कांस्य पदक से चूके, चीनी ताइपे के खिलाड़ी से सेंशू के आधार पर हारे

आइची-नगोया। भारतीय कराटे खिलाड़ी चेतन भट्ट एशियाई खेल 2026 में पुरुषों के 84 किग्रा कुमिते वर्ग में कांस्य पदक जीतने से चूक गए। मंगलवार को कांस्य पदक मुकाबले में चेतन का सामना चीनी ताइपे के मेंग-यू चू से हुआ। मुकाबला 1–1 से बराबरी पर समाप्त हुआ, लेकिन चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने सेंशू के आधार पर जीत दर्ज कर कांस्य पदक अपने नाम किया। इससे पहले चेतन को पुरुषों के 84 किग्रा कुमिते वर्ग के सेमीफाइनल में जार्डन के मोहम्मद अल-जाफरी के खिलाफ 0–8 से हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय खिलाड़ी सेमीफाइनल मुकाबले में ज्यादा अंक हासिल नहीं कर सके, जिसके बाद उन्हें कांस्य पदक के लिए मुकाबला करना पड़ा। तैराकी में आर्यन नेहरा फाइनल बी में चौथे स्थान पर तैराकी में आर्यन नेहरा पुरुषों की 1500 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल बी में चौथे स्थान पर रहे। हालांकि, फाइनल बी में अपेक्षाकृत धीमे तैराक शामिल थे और इसका पदक मुकाबले पर कोई असर नहीं पड़ा। साफ्ट टेनिस में जय मीना की पाकिस्तान पर जीत साफ्ट टेनिस में भारत के जय मीना ने पुरुष एकल ग्रुप डी मुकाबले में पाकिस्तान के हुसैन अरैन को 4–0 से हराया। जय ने 4–2, 4–0, 4–2, 4–0 के स्कोर से मुकाबला अपने नाम किया। महिला एकल ग्रुप डी में आध्या तिवारी को थाईलैंड की एलिशा जिगलर के खिलाफ 1–4 से हार का सामना करना पड़ा। आध्या ने मुकाबले में 4–1, 0–4, 0–4, 2–4, 4–6 के स्कोर के साथ शुरुआत की, लेकिन लगातार चार गेम गंवाने के बाद मुकाबला हाथ से निकल गया। ग्रुप की शीर्ष टीमों को क्वार्टर फाइनल में जगह मिलेगी। ऐसे में आध्या को अगले मुकाबले में पाकिस्तान की कैनात शालवानी को हराने के साथ ही उम्मीद करनी होगी कि पाकिस्तानी खिलाड़ी जिगलर को भी हरा दे, तभी उनके अंतिम आठ में पहुंचने की संभावना बनेगी। सेपकटकरा में भारत को मलेशिया से मिली हार सेपकटकरा के पुरुष टीम रेगु ग्रुप बी में भारत को मलेशिया के खिलाफ 0–2 से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने दोनों गेम 9–15, 12–15 से गंवाए।

एशियाई खेल : दक्षिण कोरिया से 0–3 की हार के साथ पुरुष टेबल टेनिस टीम का अभियान खत्म

आइची-नगोया

भारत को एशियाई खेलों में मंगलवार को पुरुष टीम टेबल टेनिस के राउंड आफ 16 मुकाबले में दक्षिण कोरिया के हाथों 0–3 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे महाद्वीपीय प्रतियोगिता में उसका अभियान समाप्त हो गया।

भारत 0–2 से पिछड़ गया था। हरमीत देसाई को जांग वूजिन ने चार गेम में 11–8, 8–11, 7–11, 9–11 से हराया। इसके बाद मनुष शाह ने विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान पर काबिज ओ जुनसोंग को कड़ी चुनौती दी, लेकिन पांच गेम के मुकाबले में उन्हें 2–3 से हार मिली। मनुष ने तीसरा गेम 13–11 से जीतकर 2–1 की बढ़त बनाई थी और निर्णायक गेम में भी 4–1 से आगे थे।

हालांकि, ओ जुनसोंग ने वापसी करते हुए निर्णायक गेम जीत लिया। ओ ने मुकाबला 4–11, 11–8, 13–11, 11–13, 11–6 से अपने नाम किया।

भारत को मुकाबले में बनाए रखने की जिम्मेदारी मानव ठक्कर पर थी, जिनका सामना आन जेह्युन से हुआ। मानव ने तीसरा गेम 11–7 से जीतकर वापसी की कोशिश की, लेकिन इससे पहले वह शुरुआती दो गेम 10–12, 6–11 से हार चुके थे।

आन जेह्युन ने चौथा गेम 12–10 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मानव की 10–12, 6–11, 11–7, 10–12 की हार के साथ दक्षिण कोरिया ने मुकाबला 3–0 से जीत लिया और भारत की पुरुष टीम का अभियान समाप्त हो गया।

मंगलवार को एशियाई खेलों में भारत का प्रदर्शन मिश्रित रहा। महिला टेबल टेनिस टीम ने थाईलैंड को 3–2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि महिला बैडमिंटन टीम को क्वार्टर फाइनल में जापान के हाथों 1–3 से हार मिली।

शूटिंग में पुरुष स्कीट व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन के दूसरे दिन अनंतजीत सिंह नरूका दूसरे, मेराज अहमद खान 23वें और भवतेग सिंह गिल 35वें स्थान पर रहे।

10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम फाइनल में इलावेनिल वलरिवान और पार्थ माने चौथे स्थान पर रहे। मुक्केबाजी में साक्षी चौधरी ने महिलाओं के 51 किलोग्राम राउंड आफ 32 में फिलीपींस की आइरा विलागास को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

तलवारबाजी में तनिक्षा खत्री ने महिलाओं की व्यक्तिगत एपी राउंड आफ 32 में नटपापट सांगनगियो को हराया।

वहीं, हेमाश सिंह सनासम और सचिन पुरुष व्यक्तिगत फ्लोरेट के राउंड आफ 32 में हारकर बाहर हो गए। साफ्ट टेनिस में आर्यन ठाकुर और जय मीना ने जीत दर्ज की, जबकि आध्या तिवारी को हार का सामना करना पड़ा।

कबड्डी में भारत की पुरुष टीम ने दक्षिण कोरिया को 63–31 से हराया। सेपकटकरा में भारत को मलेशिया के हाथों 0–3 से हार मिली। तैराकी में आर्यन नेहरा पुरुषों की 1500 मीटर फ्रीस्टाइल फाइनल बी में चौथे स्थान पर रहे, जबकि भारत की 4म100 मीटर मेडले रिले टीम ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

वुशु में लैंगलेंटोम्बी देवी हंजाबम महिलाओं की नानक्वान फाइनल में नौवें स्थान पर रहीं। कराटे में चेतन भट्ट और अलीशा चौधरी को हार का सामना करना पड़ा। घुड़सवारी की ड्रेसेज स्पर्धा में आशीष लिमये 13वें, अर्जन नागरा 23वें और फवाद मिर्जा 26वें स्थान पर रहे।

ई-स्पोर्ट्स में भारत की शकील दानियल पटेल और चिन्मय साहू की जोड़ी ने ग्रुप एफ में उज्बेकिस्तान के खिलाफ 0–0 से ड्रा खेला।

अक्षर की शानदार गेंदबाजी से भारत ने एकमात्र टी-20 में जापान को दो रन से हराया

सानो

अक्षर पटेल की आखिरी ओवर में शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारत ने मंगलवार को ऐतिहासिक एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में जापान को दो रन से हरा दिया। पांच ओवर के इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 32 रन बनाए। जवाब में जापान की टीम पांच ओवर में तीन विकेट पर 30 रन ही बना सकी।

33 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जापान की टीम की शुरुआत खराब रही। पारी के पहले ओवर की पांचवीं गेंद पर ईशान किशन के सटीक थ्रो ने सलामी बल्लेबाज लाचलान यामामोटो-लेक को एक रन पर रन आउट कर दिया। अगले ओवर में वाशिंगटन सुंदर ने इब्राहिम ताकाहाशी को चार रन पर आउट कर जापान को सात रन पर दूसरा झटका दिया।

इसके बाद केंडल कडोवाकी-फ्लेमिंग और बेंजामिन इटो-डेविस ने पारी को संभालने की कोशिश की।

दोनों ने रवि बिश्नोई के ओवर में 10 रन जुटाए और तीन ओवर के बाद जापान का स्कोर दो विकेट पर 18 रन हो गया। मेजबान टीम को अंतिम 12 गेंदों में 15 रन की जरूरत थी।

चौथे ओवर में जापान ने वाशिंगटन सुंदर के खिलाफ सात रन बनाए, लेकिन ओवर की आखिरी गेंद पर सुंदर ने केंडल कडोवाकी-फ्लेमिंग को 12 रन पर आउट कर दिया।

चार ओवर के बाद जापान का स्कोर तीन विकेट पर 25 रन था और उसे आखिरी ओवर में आठ रन चाहिए थे।

इसके बाद अक्षर पटेल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए जापान को आठ रन

नहीं बनाने दिए। जापान की टीम पांच ओवर में तीन विकेट पर 30 रन ही बना सकी और भारत ने दो रन से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

भारत की ओर से वाशिंगटन सुंदर सबसे सफल गेंदबाज रहे। सुंदर ने 2 विकेट लिए।

इससे पहले जापान के स्पिनरों ने भारतीय बल्लेबाजी क्रम को चौंकाते हुए पांच ओवर में भारत को चार विकेट पर सिर्फ 32 रन तक सीमित कर दिया। भारतीय टीम में केवल कप्तान श्रेयस अय्यर ही दोहरे अंक तक पहुंच सके। उन्होंने 12 रन बनाए। अभिषेक शर्मा पहली ही गेंद पर आउट हो गए।

चार्ली हारा-हिन्जे जापान के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने दो विकेट लिए। इब्राहिम ताकाहाशी को एक सफलता मिली। सैमसन धीमी बाएं हाथ की स्पिन के खिलाफ संघर्ष करते हुए पांच गेंदों पर चार रन बना सके। इसके बाद हारा-हिन्जे ने पारी की आखिरी गेंद पर अभिषेक शर्मा को आउट किया, जो शार्ट फाइन लेग की दिशा में टाप एज दे बैठे। पहले ओवर के बाद भारत का स्कोर एक विकेट पर सात रन था।

अभिषेक का इस साल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह सातवां गोल्डन डक रहा, जो एक कैलेंडर वर्ष में किसी बल्लेबाज के लिए सर्वाधिक है। टी20 क्रिकेट में यह उनका कुल 10वां गोल्डन डक भी रहा।

दूसरे ओवर में इब्राहिम ताकाहाशी ने संजू सैमसन को नौ रन पर आउट किया। बेंजामिन इटो-डेविस ने उनका कैच पकड़ा। भारत 1.2 ओवर में दो विकेट पर नौ रन पर था। दो ओवर के बाद भारत का स्कोर 12 रन था।

इसके बाद ईशान किशन भी तीन रन बनाकर आउट हो गए। इटो-डेविस ने शानदार कैच लेकर उन्हें पवेलियन भेजा। तीन ओवर के बाद भारत का स्कोर तीन विकेट पर 14 रन था। चौथे ओवर के बाद भारत चार विकेट पर 22 रन पर पहुंचा और कोई भी बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सका।

बच्चों के झूठ बोलने का कारण कही पेरेंट्स तो नहीं

झूठ बोलने की आदत बच्चों में ही नहीं बल्कि बड़ों को भी होती हैं। झूठ बोलना तो मानो आजकल का ट्रेंड बन चुका है। ज्यादातर लोग छोटी-छोटी बात को छिपाने के लिए झूठ का सहारा ले लेते है। बच्चों अक्सर अपने पेरेंट्स से झूठ बोलते है लेकिन शायद उनकी इस आदत के पीछे कहीं न कहीं पेरेंट्स ही जिम्मेदार है। पेरेंट्स अक्सर बच्चों पर ऐसा दवाब बनाने लगते है जिससे डरकर बच्चों को झूठ बोलना पड़ जाता है। आइए जानते है कुछ ऐसे ही कारण, जिस वजह से बच्चों झूठ का सहारा लेते है।

अधिक रोका-टोकी

माना कि बच्चो नादान होते है। जल्द ही किसी के झांसे में आ जाते है लेकिन पेरेंट्स अक्सर उनपर जरूरत से ज्यादा रोक-टोक लगाने लग जाते है। इस वजह से बच्चे अक्सर पेरेंट्स से बातें छिपाने लगते है और झूठ बोलना शुरू कर देते है।

पेरेंट्स की लड़ाई

बहुत से मां-बाप है जो बात-बात पर बच्चों के सामने लड़ाई- झगड़े करने लगते है। जब बच्चे अपने पेरेंट्स को झगड़ा करते देखते है तो उनके मन में अलग तरह का डर बैठ जाता है। ऐसे में बच्चों को लगता है कि अगर मैने घर में सच बताया तो शायद मुझे भी डांट पड़ जाएगी, जिस वजह से बच्चे झूठ बोलने लगते है।

हर बात पर शक

अधिकतर पेरेंट्स अपने बच्चे की हर बात को लेकर शक करने लगते है। अगर बच्चा सच भी बोल रहा होता है तो उसे शक की नजरों से देखना शुरू कर देते है। ऐसे में बच्चों को लगता है कि अगर पेरेंट्स हर बात को लेकर शक कर देते है तो बेहतर है कि उनको झूठ ही बोल दिया जाएं।

विश्वास की कमी

रिश्ते में विश्वास काफी मायने रखता है लेकिन बहुत से पेरेंट्स को अपने बच्चे पर विश्वास नहीं होता है। अगर बच्चा सच्चा भी होता है तो भी उसको गलत बताने लगते है। इसी वजह से बच्चे अक्सर पेरेंट्स से झूठ बोलना शुरू कर देते है।

पढ़ाई का दबाव

पेरेंट्स अपने बच्चों की पढ़ाई को लेकर कुछ ज्यादा ही सोचने लगता है। इसी चक्कर में मां-बाप अपने बच्चों पर पढ़ाई का दवाब ज्यादा ही डालने लगते है। ऐसा में बच्चों के अपने पढाई को लेकर अक्सर पेरेंट्स से छोटे-छोटे झूठ बोलने लगता है।

बाईपास सर्जरी से बचाएंगी औषधियां और व्यायाम

आज के समय में हृदय रोग आम होते जा रहे हैं। इसके पीछे अव्यवस्थित जीनशैली, खान-पान की खराब आदतें व कई अन्य कारण हैं। इसके अवाला वात पित्त कफ आदि दोष घट व बढ़कर रक्त में स्थित रक्त कणों के अतिरिक्त जो कुछ हैं, को दूषित कर के हृदय में जाकर रूकावट पैदा करते हैं। मतलब कि हृदय को रक्त प्रदान करने में बाधा डालते हैं और फिर गंभीर हृदय रोग का कारण बनते हैं।

जिसके चलते बाईपास सर्जरी भी आम बात होती जा रही हैं। लेकिन स्वस्थ जीवनशैली, नियमित व्यायाम व स्वस्थ खान-पान से इस प्रकार की स्थिति से बचा जा सकता है। इसके अलावा 3 ऐसी आयुर्वेदिक औषधियां हैं जिनसे बाईपास सर्जरी की नौबत से बचाव होता है। चलिये विस्तार से जानें कौंन सी हैं ये 3 आयुर्वेदिक औषधियां।

शल्य क्रिया से बचाव के लिए 3 औषधियां प्रमुख हैं और वे हैं शिलाजीत, अर्जुन और बला। इनका सेवन कम से कम एक वर्ष करने से अच्छा परिणाम मिलता है।

शिलाजीत

भारतीय जड़ी-बूटियों में शिलाजीत का एक महत्वपूर्ण स्थान है। आयुर्वेद में शिलाजीत की बहुत प्रशंसा की गई है और इसकी गुणवत्ता को प्रतिष्ठित किया है। इसीलिये अधिकांश आयुर्वेदिक नुस्खों में शिलाजीत का प्रयोग किया जाता है। इसकी कमाल की बात यह है कि यह सिर्फ रोग ग्रस्त लोगों का रोग दूर करने के लिए ही, बल्कि स्वस्थ व्यक्ति के लिए भी उपयोगी होती है। विशेषकर मधुमेह, धातु क्षीणता, बहुमूत्र, स्वप्नदोष, सब प्रकार के प्रमेह, नपुंसकता, शरीर की निर्बलता, वृद्धावस्था की निर्बलता आदि व्याधियों को दूर करने के लिए शिलाजीत गुणकारी होती है।

अर्जुन

अर्जुन का मुख्य उपयोग हृदय रोग के उपचार में किया जाता है। इसे हृदय रोग की महाऔषधि भी माना जाता है। इसके अलावा इसका उपयोग रक्तपित्त, प्रमेह, मूत्राघात, रक्तातिसार तथा क्षय और खांसी आदि के उपचार में भी लाभप्रद होता है।

बला

बला जिसे खिरैटी के नाम से भी जाना जाता है, जो जड़ी-बूटी वाजीकारक एवं पौष्टिक गुण के साथ ही अन्य गुण एवं प्रभाव भी रखती है। मसलन यह यौन दौर्बल्य, धातु क्षीणता, नपुंसकता तथा शारीरिक दुर्बलता दूर करने के अलावा अन्य व्याधियों को भी दूर करने की अच्छी क्षमता रखती है। लेकिन उपरोक्त में से किसी भी औषधी का सेवन करने से पले अपने डॉक्टर से एक बार सलाह जरूर ले लें। वह आपके स्वास्थ्य से बेहतर ढंग से वाकिफ होता है, और जानता है कि आप किन औषधियों का सेवन कर सकते हैं।

शरीर के लिए फायदेमंद है नमक वाला पानी

नमक, इसका इस्तेमाल तो रसोई में खाना बनाने के लिए किया जाता है। यह खाने का स्वाद और बढ़ा देता है। स्वाद के साथ अगर देखा जाए तो नमक प्राकृतिक रूप से एक औषधि भी है, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मददगार साबित होता है। अगर रोज सुबह नमक वाले पानी का सेवन किया जाए तो ऐसे में शरीर को कई स्वास्थ्य संबंधी फायदे मिलते हैं। क्योंकि नमक में ऐसे कई तत्व मौजूद होते हैं।जो शरीर के लिए काफी फायदेमंद साबित होते हैं।

वजन घटाएं: नमक वाला पानी पाचन को दुरुस्त करके शरीर की कोशिकाओं तक पोषण पहुंचाता है, जिससे कि मोटापे को कंट्रोल में किया जा सकता है।

त्वचा: नमक में मौजूद क्रोमियम और सल्फर होता है जो एक्ने से लड़ने में मदद करता है। इसके अलावा यह त्वचा को कोमल और साफ बनाएं रखता है।

डिटॉक्स: प्राकृतिक रूप अगर देखा जाए तो नमक बॉडी को डिटॉक्स करने का काम करता है। इसलिए रोजाना सुबह उठकर नमक वाले पानी का सेवन करें।

हड्डियां मजबूत: नमक वाले पानी में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करके हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

एंटीबैक्टिरियल: नमक में खनिज भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो एंटीबैक्टिरियल का काम करते हैं और शरीर को तंदरूस्त बनाने में मदद करते हैं।

कई बीमारियों से दूर रखती है अजवाइन

अजवाइन का इस्तेमाल मसाले के रूप में हर रसोई में किया जाता है। दादी-नानी के नुस्खे में पेट दर्द होने पर अजवाइन की फक्की मार लेने की सलाह दी जाती है। यह खाने का स्वाद तो बढ़ाती ही है साथ ही सेहत से जुड़ी कई परेशानियों को दूर करती है। इसका चूर्ण बनाकर खाने से पाचन क्रिया दुरूस्त रहती है।

इसके लाजवाब फायदों के बारे में

अपचः खाना खाने के बाद भारीपन होने पर 1 चम्मच अजवाइन को चुटकी भर अदरक के पाउडर के साथ खाने से फायदा मिलता है।

गुर्दे की पथरी: गुर्दे की पथरी के इलाज के लिए अजवाइन बहुत लाभकारी है। अजवाइन, शहद और सिरका का लगातार 15 दिनों तक सेवन करने से फायदा मिलता है।

अस्थमा: अस्थमा के इल ाज के लिए भी अजवाइन बहुत फायदेमंद मानी जाती है। रोजाना दिन में 2 बार अजवाइन के साथ गुड का सेवन करने से लाभ मिलता है।

पेट दर्द: पेट दर्द से परेशान हैं तो अजवाइन और नमक का सेवन गुनगुने पानी के साथ करें।

पीरियड्स: पीरियड्स में होने वाली दर्द से छुटकारा पाने के लिए अजवाइन का पानी बहुत लाभदायक है।

गठिया: गठिया यानि जोड़ों का दर्द। गठिए के रोगी को रोजाना अजवाइन के तेल के साथ जोड़ों की मालिश करनी चाहिए। इससे आराम मिलेगा।

मिनटों में दूर होंगा होंठो का कालापन, अपनाएं ये नैचुरल टिप्स

चेहरे का सबसे खूबसूरत अंग होंठ है। इनकी खूबसूरती में बाधा डालने का काम करता है कालापन। होंठों का कालापन दूर कररने के लिए लड़कियां अक्सर लिपस्टिक, लिपबाम, मॉइश्चराइजर और न जाने कौन-कौन से ट्रीटमेंट का सहारा लेती है। अगर आप भी होंठों का कालापन दूर करने की हर कोशिश कर चुके है तो हम आपको कुछ घरेलू नुस्खे बताएंगे जिनके मदद से आप अपने होंठों के नैचुरली गुलाबी बना सकते है।

गुलाब की पंखुडियां : गुलाब की पंखुड़ियां के नियमित इस्तेमाल से होंठों का रंग हल्का गुलाबी और चमकदार होता है। गुलाब की पंखुडियां रातभर दूध में भिगोकर रखें और सुबह इसे पीसकर होंठों पर लगाएं। थोड़ी देर बाद धो दें।

दही और एलोवेरा : अगर आप अपने होंठो को नैचुरली गुलाबी और मुलायम बनाना चाहती है तो दही और एलोवेरा के पेस्ट इस्तेमाल करे। इससे काफी फायदा मिलेगा।

नींबू और शहद : होंठों का कालापन दूर करने के लिए 1 चम्मच शहद और 1/2 चम्मच नींबू का रस मिला लें। फिर दोनों को अच्छी तरह मिलाकर होंठों पर लगाएं। इससे होंठ नैचुरली गुलाबी होंगे।

रोज 10 चेरी खाएं और इन 5 बीमारियों को दूर भगाएं

चेरी एक खट्टा-मीठा फल है जो लाल, काले और पीले रंगों में मिलती है। चेरी को खाना बहुत से लोग पसंद करते है। जहां यह स्वाद में काफी अच्छी होती है, वहीं इसमें जरूरी पोषक तत्व जैसे कार्बोहाइड्रेट, विटामिन ए, बी और सी, बीटा कैरोटीन, कैल्शियम, लोहा, पोटेशियम, फॉस्फोरस मौजूद होते है। यह तत्व शरीर को कई स्वास्थ्य संबंधी कई प्रॉबल्म को दूर करने में मदद करते है। अगर रोज 10 चेरी खाई जाए तो आप कई बीमारियों से बच सकते है। आइए जानते है कैसे।

गठिया : चेरी में एन्थोसियानिन तत्व होता है जो गठिया रोगी के लिए काफी फायदेमंद होता है। गठिया में यूरिक एसिड अधिक मात्रा में बनता है और हाथ-पैर सूज जाते है। चेरी में मौजूद एन्थोसियानिन गठिया के रोग से जल्द छुटकारा दिलाते है। दिन में जरूर 10 खट्टी चेरी का सेवन करें।

हृदय रोग : चेरी में पोटैशियम, लोहा, जस्ता, मैगनीज जैसे खनिज लवण होते हैं जो हृदय रोग को रोकने में अधिक सक्षम होते हैं। इसलिए अगर आप हृदय रोग से बचे रहना चाहते है तो चेरी को अपनी रूटिन का हिस्सा बना लें।

कैंसर : चेरी में मौजूज एंटीआक्सीडेंट्स शरीर को रोगों से लड़ने की शक्ति देते है। इसके अलावा चेरी में फिनॉनिक एसिड और फ्लेवोनॉयड भी होता है जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के ऊतकों को बढ़ने से रोकते है।

रक्तचाप : चेरी में पोटैशियम की मात्रा होती है जो शरीर में स्थित सोडियम की मात्रा कम कर देता है। इस वजह से शरीर का रक्तचाप स्तर सामान्य हो जाता है। इसी के साथ कोलेस्ट्रोल का स्तर भी कंट्रोल में रहता है।

हड्डियां मजबूत : बहुत से लोगों को हड्डियां संबंधी कई प्रॉबल्म का सामना करना पड़ता है। इसलिए नियमित चेरी का सेवन करें क्योंकि चेरी को खाने से हड्डियों में मजबूत होती हैं।

रोजाना 1 सेब खाओ बीमारी दूर भगाओ

सेब में पौष्टिक तत्व बहुत अधिक मात्रा में होते हैं। मिनरल और विटामिन से भरपूर सेब में फाइबर भी बहुत अधिक मात्रा में होता है और कोलेस्ट्रॉल बिलकुल भी नहीं होता। सेब को हमें सुबह के समय खाना चाहिए। जी हां सेब यदि खाली पेट खाया जाये तो आपके शरीर के टॉक्सिक (गंदगी) आसानी से बाहर निकल जाते है। एनर्जी भी अधिक मिलेगी और वजन कम होने के साथ-साथ स्फूर्ति भी रहेगी।साथ ही पेट को साफ रखने तथा सेहत को दुरुस्त रखने के लिए खाली पेट सेब का सेवन करना सबसे बेहतर रहता है। क्योंकि सेब में व्याप्त सभी विटामिन और मिनरल्स खाली पेट खाये जानें पर उसमें अच्छी तरह से अवशोषित कर लिये जाते हैं। आइए जानें रोजाना खाली पेट 1 सेब खाना आपको किन-किन बीमारियों से दूर रखता है।

सेब खाने के फायदे

रोजाना सुबह-सुबह खाली पेट सेब खाना वास्तव में सेहत के लिए लाभदायक होता हैंङ्क सेब को कभी छीलकर नहीं खाना चाहिए क्योंकि सेब के छिलके में सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण छरिये तत्व मौजूद होते हैं और अगर आप सेब को छिल कर खायेंगे तो वह सभी तत्व नष्ट हो जायेंगे। इसके अलावा क्या आप जानते हैं कि सेब के गूदे की अपेक्षा उसके छिलके में अधिक ताकत होती हैं। सेब के छिलके में विटामिन सी के साथ ही अन्य फलों की तुलना में सेब में फास्फोरस की मात्रा भी सबसे अधिक होती हैं।

हाई ब्लड प्रेशर

अगर आप हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से बचना चाहते हैं तो रोजाना खाली पेट एक सेब का सेवन करें। वैज्ञानिकों का मानना है कि रोजाना एक सेब छिलका उतारे बगैर खाते रहने से हाई ब्लड प्रेशर आपसे कोसों दूर रह सकता है। कनाडा के वैज्ञानिकों ने पाया कि यह अन्य 'सुपरफूड' की तुलना में अधिक प्रभावी है। टेलीग्राफ में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक लंबे समय से सेब को 'एंटीऑक्सीडेंट' और 'फ्लेवानोइड्स' का प्राकृतिक स्रोत माना जाता रहा है। ये दिल के लिए अच्छे माने जाते हैं।

हार्ट बर्न की शिकायत दूर करें

अगर आप सीने में जलन जैसी समस्याओं से परेशान रहते हैं तो रोजाना एक सेब खाने की आदत डाल लें। दरअसल सेब हमारे इम्यून सिस्टम को भी प्रभावित करता है। लाल सेब में क्यूर्सेटिन नामक एंटीआक्सीडेंट होता है जो कि इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। यानी अगर आपने गलती से थोड़ा ज्यादा खा भी लिया तो बदहजमी या सीने में जलन जैसी शिकायतें नहीं होंगी।

सेब बढ़ाता है याददाश्त

1 सेब रोज खाने से आपकी याददाश्त बढ़ती है। शरीर में मौजूद मुक्त कण दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं, यह दिमाग की बाहरी परत यानी न्यूरॉन्स को क्षतिग्रस्त कर सकते हैं। क्यूर्सेटिन दिमाग को सूजन से बचाता है और सूजन के कारण कम हो रही याद्दाश्त को भी क्षीण नहीं होने देता।

मोटापे से बचाए

सेब में मौजूद भरपूर मात्रा में फाइबर, शरीर में पानी बनाए रखने में मदद करते हैं। जिससे आपको सेब खाने के बाद पेट भरा सा लगता है और अनावश्यक भोजन की इच्छा नहीं होती है। डाइटिंग करने वालों के लिए सेब एक उपयोगी फल है।

रेसिपी

स्टीम्ड वेजिटेबल बॉल्स

सामग्री

2 कप मैदा, 1 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 कप बारीक कटे हुए आलू ,1 कप बारीक कटा हुआ फूलगोभी ,1 कप कद्दूकस किया हुआ गाजर , 4 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, नमक स्वादानुसार , 1 छोटा चम्मच गरम मसाला, पानी आवश्यकतानुसार , तलने के लिए तेल

विधि

सबसे पहले एक बर्तन में मैदे में थोड़ा सा नमक, तेल और पानी डालकर गूंद लें। धीमी आंच में एक पैन में तेल गर्म करने के लिए रखें। तेल के गर्म होते ही इसमें प्याज और हरी मिर्च डालकर सुनहरा होने तक भून लें। अब इसमें आलू, फूलगोभी, गाजर, नमक मिलाएं और कड़छी से चलाते हुए फ्राई कर लें। जब सभी सब्जियां सॉफ्ट हो जाएं तब इसमें गरम मसाला मिलाएं और अच्छे से मिक्स कर आंच बंद कर दें। मिश्रण को एक बर्तन में निकाल लें और ठंडा होने के लिए रख दे। इसी बीच गूंदे हुए मैदे की लोइयां तोड़कर इसकी रोटियां बेल लें। मिश्रण के ठंडे होते ही इसे रोटियों के बीचों बीच रखकर इनके बॉल्स बनाएं और एक कटोरी में रखते जाएं। ध्यान रहे कि कटोरी को हल्का चिकना जरूर कर लें। अब मीडियम आंच में एक कड़ाही में 1 से 2 कप पानी गर्म करने के लिए रखें। पानी के गर्म होते ही आंच धीमी कर दें और बॉल्स वाली कटोरी को कड़ाही में रखकर इसे 5 मिनट के लिए ढक दें। तय समय के बाद स्टीम्ड वेजिटेबल बॉल्स तैयार मिलेंगे। स्टीम्ड वेजिटेबल बॉल्स को सर्विंग प्लेट में निकालें और टोमैटो गार्लिक चटनी के साथ सर्व करें।

गुड़ पोहा

सामग्री

1 कप पोहा, 1 छोटी कटोरी गुड़ , 2 चम्मच कद्दूकस किया हुआ नारियल , एक चौथाई चम्मच इलायची पाउडर , 1 बड़ा चम्मच घी, पानी आवश्यकतानुसार

सजावट के लिए, 4-5 बारीक कटे हुए काजू

विधि

सबसे पहले पोहे को अच्छे से धोकर इससे पूरी तरह से पानी निचोड़ लें। धीमी आंच में एक पैन में पानी और गुड़ डालकर उबालें। जब गुड़ की गाढ़ी चाशनी तैयार हो जाए तब इसमें इलायची पाउडर, पोहा और कद्दूकस किया हुआ नारियल मिलाकर कड़छी से चलाते हुए अच्छे से मिक्स कर लें और आंच बंद कर दें। अब एक दूसरे पैन में घी गर्म करने के लिए रखें। घी के गर्म होते ही इसमें काजू डालकर इसे हल्का सुनहरा होने तक फ्राई कर लें और आंच बंद कर दें। तैयार गुड़ पोहे को काजू से गार्निश कर सर्व करें।

प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं **हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**